दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 37 | ग्वालियर, शनिवार 05 नवम्बर 2022 | पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सीएम शिवराज ने घटना पर जताया दुःख

ड्राइवर को एक पल की झपकी लगी तो खाली बस से जा भिड़ी कार, हादसे में 11 मजदूरों की मौत

शिवराज ने अधिकारियों को दिए तुरंत राहत व बचाव शुरू करने के निर्देश

बैतूल। मध्यप्रदेश के बैतूल में यात्री बस और कार में हुई जोरदार भिड़ंत में 11 लोगों की मौत हो गई है। जबकि, एक व्यक्ति घायल हुआ है। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए बैतूल जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। सभी शवों को भी पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। घटना के बारे में मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के बाद उन्हें सौंप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस दर्दनाक घटना पर शोक व्यक्त किया गया है।

घटना की सूचना मिलने के बाद प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और तुरंत राहतकार्य शुरू कराए। बैतूल के पुलिस अधीक्षक शिमाला प्रसाद ने घटना की पुष्टि की है। घटना बैतूल-अमरावती मार्ग की है। मजदूरों से भरी तेज रफ्तार कार सीएम के कार्यक्रम से लौट रही खाली बस ने जा टकराई। इस हादसे में टवेरा सवार छह पुरुष, तीन महिलाएं और दो बच्चों की मौत हो गई है। सभी लोग महाराष्ट्र से लौट रहे थे। घटना झल्लार थाने के पास हुई है। घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात तकरीबन 2ः00 बजे की है। सभी मजदूर मजदूरी करके अपने गांव वापस लौट रहे थे। बताया जाता है कि झाल्लर इलाके के कुछ मजदूर मजदूरी करने के लिए गए थे। 20 दिन बाद मजदूर अपने घर वापस लौट कर आ रहे थे। सभी मजदूर टवेरा गाड़ी में सवार थे। टवेरा गाड़ी के ड्राइवर को झपकी लग गई थी। इसी वजह से हादसा हो गया है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के नाम अमर धुर्वे, मंगल, नंदकिशोर, श्यामराव, एमकली, किशन, कुसुम, अनारकली, संध्या, अभिराज और विकास है। बैतूल जिले में हुए सड़क दुर्घटना में 11 लोगों की मौत पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तथा प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को गहरा दुख जताया है। राष्ट्पति भवन ने मुर्मू के हवाले से ट्वीट किया, बैतूल में हुई सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित अनेक लोगों के हताहत होने के समाचार से मुझे गहरा दुःख पहुंचा है। राष्ट्रपति ने कहा, इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सड़क हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया तथा मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की। यह दुर्घटना जिला मुख्यालय से करीब 36 किलोमीटर दूर भैंसदेही रोड पर हुई। पीएमओ की ओर से जारी एक ट्वीट में मोदी ने कहा, मध्य प्रदेश के बैतूल में एक दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं।

गाजियाबाद में एंबुलेंस और मिनी ट्रक के बीच टक्कर में 2 लोगों की मौत, 4 घायल

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर एक बड़ा हादसा हुआ है। एंबुलेंस और मिनी बस से टक्कर हो गई है। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार सुबह दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार से आ रही एंबुलेंस और मिनी ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से ट्रक और एंबुलेंस में फंसे लोगों को बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गए। आसपास के गांव के लोगों ने भी मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू टीम की मदद की। लोगों के मुताबिक एंबुलेंस रॉन्ग साइड से काफी तेज जा रही थी। घटना मसूरी थाना क्षेत्र के सिकरोड के पास डीएमई पर हुई।

30 बरस बाद गुजरात में त्रिकोणी चुनाव

अहमदाबाद। गुजरात में 30 साल के बाद त्रिकोणीय मुकाबला होने जा रहा है।इस मुकाबले में आम आदमी पार्टी ने शहरी क्षेत्र के मतदाताओं में खासी पैठ बनाई है। 1990 के बाद यह पहला मौका है। जब भाजपा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक साथ चुनाव मैदान में हैं। 1995 के बाद से गुजरात में भारतीय जनता पार्टी का एकछत्र राज्य रहा है।30 साल

बाद भारतीय जनता पार्टी को गुजरात में कड़ी चुनौती मिल रही हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में नाराज मतदाताओं की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। लगातार 27 साल का शासन होने के बाद यहां के मतदाताओं का भाजपा से मोहभंग हुआ है। गुजरात में सत्ता विरोधी लहर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। कई बार यहां त्रिशंकु बहुमत मिलने की बात भी कही जाने लगी है।

-मंत्री और विधायकों की टिकटें कटेगीं

भारतीय जनता पार्टी में गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में टिकट वितरण के लिए लगातार बैठकें हो रही हैं।सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान के 5 एवं 7 पूर्व मंत्रियों की टिकट कटना तय माना जा रहा है। 1 दर्जन से अधिक विधायकों के टिकट कटने की बात भी सामने आई है।

-भाजपा में भारी अंतरकलह

2017 के चुनाव में ओबीसी आंदोलन तथा दलित अधिकार आंदोलन चरम पर था। भाजपा को कड़े मुकाबले में 99 सीटें प्राप्त हुई थी। जो भाजपा का सबसे खराब प्रदर्शन था। 2017 के चुनाव जीतने के बाद विजय रुपाणी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। उसके बाद पटेल समुदाय को खुश करने के लिए भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया गया है। इसके बाद भी सत्ता विरोधी लहर कम नहीं हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 बार गुजरात की यात्रा हाल ही में कर चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह भी गुजरात में डेरा जमाए हुए हैं। 2022 का यह विधानसभा चुनाव अभी तक का सबसे रोचक चुनाव बनने जा रहा है।

वन-टू-वन

पूर्व पीएम इमरान पर हमले मामले में दो और संदिग्ध गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर हमले के मामले में दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इन दोनों संदिग्धों ने ही पूर्व पीएम खान पर गोलीबारी करने वाले नवीद मोहम्मद बशीर को पिस्तौल और गोलियां बेची थीं। पंजाब प्रांत के वजीराबाद में विरोध मार्च के दौरान गुरुवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 70 वर्षीय प्रमुख के काफिले पर हमला किया गया था और उनके पैर में गोली लगी थी। हमले में एक शख्स की मौत हो गई है, तथा कम से कम 10 लोग जख्मी हो गए हैं। बशीर ने बाद में कबूल किया था कि उसने पीएम खान पर हमला इसलिए किया क्योंकि वह अवाम को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों के हवाले से दी गई खबर के मुताबिक, संदिग्धों की पहचान वकास और साजिद बट के तौर पर हुई है और उन्होंने बशीर को 20 हजार रुपये में पिस्तौल और गोलियां बेची थीं। खबर में कहा गया है कि उन्हें पंजाब प्रांत के वजीराबाद से गिरफ्तार किया गया है। चश्मदीदों के मुताबिक, बशीर ने उस कंटेनर पर करीब से गोलीबारी की जिसे एक ट्रक पर रखा गया था और उसमें ही खान सवार थे। पार्टी के अनुसार, खान को सड़क मार्ग के जरिए लाहौर के शौकत खानम अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका ऑपरेशन किया गया। उनकी हालत स्थिर है। दिलचस्प है कि यह अस्पताल खान ने ही बनवाया है और इसका नाम उनकी मां के नाम पर है।

बांग्लादेश में डेंगू से 24 घंटे में 9 लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में पिछले 24 घंटों में डेंगू से 9 लोगों की मौत हो गई है। यह संख्या जनवरी के बाद सबसे ज्यादा है। इसके चलते इस साल मच्छरजनित बीमारी से आधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 161 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, इस माह के पहले तीन दिनों में डेंगू के 2,959 मामले सामने आए थे। दक्षिण एशियाई देश में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली थी। नवंबर में अब तक 20 मौतें हो चुकी हैं, वहीं अक्टूबर में 86, सितंबर में 34, अगस्त में 11, जुलाई में 9 और जून में एक मौत हुई थी। गंभीर मामलों में जोड़ों में दर्द, चक्कर आना, उल्टी, चकत्ते, सांस लेने में समस्या, रक्तस्राव और किसी अंग का काम करना बंद होना शामिल है। जून-सितंबर मानसून की अवधि में बांग्लादेश में डेंगू बुखार के मामलों में व्यापक वृद्धि देखने को मिली। अधिकांश मामले राजधानी ढाका से सामने आए। पिछले 24 घंटों में ढाका में 498 समेत डेंगू के कुल 882 नए मामले सामने आए। डीजीएचएस के अनुसार, अक्टूबर में डेंगू के 21,932 मामले दर्ज किए गए थे, सितंबर में 9,911 लोग मच्छर जनित बीमारी से संक्रमित हुए थे। इस साल अब तक डेंगू के 40,983 मामले सामने आ चुके है और 37,146 मरीज ठीक हो चुके हैं।

ॉदिल्ली में विकराल हुआ प्रदूषण, आज से प्राइमरी स्कूलों में लटकेगा ताला

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में हवा लगातार लोगों की सेहत बिगाड़ रही है। इसके बाद लगातार बच्चों के स्कूल बंद करने की मांग उठ रही थी, क्योंकि नोएडा में आठवीं तक के स्कूल को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि पांच नवंबर प्राइमरी स्कूल बंद रहने वाले हैं। राजधानी की बिगड़ती आबोहवा को लेकर केजरीवाल ने कहा कि हम प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। इसकारण हम कल से दिल्ली के सभी प्राइमरी स्कूल बंद कर रहे हैं। इसके अलावा पांचवीं से ऊपर की सभी कक्षाओं के लिए बाहरी गतिविधियों (आउटडोर गतिविधियों) को बंद किया जा रहा है। केजरीवाल का कहना है कि राजधानी में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए वाहनों पर ऑड-इवन लागू करने पर विचार किया जा रहा है। वहीं प्रदूषण की स्थिति में सुधार होने तक दिल्ली के प्राइमरी स्कूल बंद रहने वाले हैं। इससे पहले कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से आग्रह किया था कि जबतक प्रदूषण के स्तर में सुधार नहीं होता तबतक निजी और सरकारी स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी करें। दिल्ली में गंभीर वायु प्रदूषण के मद्देनजर बीजेपी की दिल्ली इकाई ने आप सरकार से दिल्ली में सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश देने की मांग की पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला नेकहा कि आप सरकार बच्चों के जीवन से खिलवाड़ बंद करते हुए सभी स्कूल को बंद करे। पूनावाला ने कहा, दिल्ली के अंशकालिक मुख्यमंत्री की तरह काम कर रहे मुख्यमंत्री केजरीवाल को लोगों को बताना चाहिए कि उनकी सरकार ने शहर में प्रदूषण को रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं। वहीं दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि अगर केजरीवाल सरकार सभी स्कूल को बंद करने का आदेश जारी नहीं करेगी, तब पार्टी सड़कों पर प्रदर्शन करेगी।

मुंबई के हाजी अली दरगाह पर आतंकी हमले की धमकी

मुंबई,। मुंबई के हाजी अली दरगाह को उड़ाने की धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई. सभी जांच एजेंसियां भी अपने-अपने काम में जुट गई मगर ये खबर महज अफवाह साबित हुई. दरअसल शुक्रवार को हाजी अली दरगाह पर आतंकी हमले की धमकी देने वाला एक फोन कॉल मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में आया. एक अनजान शख्स ने फोन कर हाजी अली दरगाह पर आतंकी हमले की धमकी दी. उसने बताया कि कुल 17 आतंकी हाजी अली पर हमला करने वाले हैं. इसके बाद मुंबई पुलिस फौरन सतर्क हो गई. इस धमकी के बाद हाजी अली दरगाह की सुरक्षा बढ़ा दी गई. ज्यादा जानकारी के लिए पुलिस कंट्रोल रूम से उस नंबर पर कॉल किया गया, जिस नंबर से अनजान शख्स ने फोन किया था. लेकिन फोन स्विच ऑफ बताया जा रहा था. कॉल ट्रेस करने पर पता चला कि फोन मुंबई से सटे उल्हासनगर से किया गया है. इस दौरान फोन कॉल की जानकारी मिलते ही ताड़देव पुलिस स्टेशन की टीम घटनास्थल पर पहुंची. वहां पूछताछ और जांच में कुछ भी पता नहीं चल सका. पुलिस जब कॉल ट्रेस करने के बाद संबंधित शख्स तक पहुंची तो फोन करने वाला मानसिक रोगी निकला. पुलिस इस मामले की जांच और पूछताछ कर रही है. हालांकि कॉलर मानसिक रोगी पाया गया है फिर भी पुलिस उसे अपने साथ थाने ले आई है और उससे इस कॉल करने की वजह जानने की कोशिश की जा रही है. पुलिस इस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है. आपको बता दें कि इससे पहले भी कई बार मुंबई में बम विस्फोट की धमकी मिल चुकी है. मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम को दिवाली पर तीन जगहों पर बम ब्लास्ट करने की धमकी दी गई थी।

पीयूष गोयल, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जय पांडा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने प्रदेश कार्यालय में किया चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी बैजयंत जय पांडा और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश आदेश गुप्ता ने आज प्रदेश कार्यालय में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दिल्ली में बड़े-बड़े आश्वासन देने के बावजूद केजरीवाल सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। इन मुद्दों में प्रदूषण की रोकथाम, आधारभूत सुविधाओं में सुधार की कमी और किए गए वायदे शामिल हैं। श्री गोयल ने कहा कि समय आ गया है कि पिछले आठ साल से हो रहे भ्रष्टाचार की राजनीति को अब खत्म करने का और दिल्ली की जनता इस बार के निगम चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देने जा रही है। निगम चुनाव में भाजपा को जीत का ताज पहनाकर दिल्ली की जनता भ्रष्टाचारी केजरीवाल सरकार को सबक सिखाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि आज प्रदूषण को लेकर केजरीवाल सरकार पूरी तरह से फेल साबित हुई है। केन्द्रीय सरकार ने केजरीवाल सरकार को दिल्ली के प्रदूषण से रोकथाम के लिए सहायता करने के लिए मशीनें भी भेजी लेकिन प्रचार-प्रसार करने वाली सरकार ने उसे भी बर्बाद कर दिया। श्री गुप्ता ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती अनुराधा गुप्ता के साथ चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर पूजा अर्चना के उपरांत मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा निगम के चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है और आगामी चुनाव में जीतकर चौथी बार भाजपा निगम में आने वाली है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता केजरीवाल के भ्रष्टाचार और झूठे प्रचार से पूरी तरह से उब चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब भी वे देगी। आज दिल्ली की स्थिति बदतर हो गई है और अरविंद केजरीवाल साफ हवा के लिए गुजरात और हिमाचल के चुनावी पर्यटन में हैं। श्री गुप्ता ने कहा कि भाजपा हमेशा से जनता के साथ जुड़कर काम करती रही है और यही कारण है कि दिल्ली की जनता के दिलों में भाजपा बसती है। 15000 पार्कों की रुपरेखा बदलने का काम भी भाजपा शासित नगर निगम ने अपने कार्यकाल के दौरान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भी प्रचार आधारित राजनीति नहीं करती बल्कि वे हमेशा काम और विकास पर विश्वास करती है और यह हमने करके दिखाया भी है। आज इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मनोज तिवारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, जम्मू कश्मीर के सह प्रभारी आशीष सूद, राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला सहित प्रदेश के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुलायम की सीट से चुनावी मैदान में उत्तर सकते हैं तेज प्रताप

-मैनपुरी लोकसभा सीट से मिल सकता है टिकट

लखनऊ। उत्तरप्रदेश की मैनपुरी सीट पर मुलायम सिंह के सियासी वारिस के तौर पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भतीजे और लालू प्रसाद यादव के दामाद तेज प्रताप यादव चुनावी मैदान में उतर सकते हैं? सपा सूत्रों के मुताबिक अखिलेश यादव मैनपुरी लोकसभा सीट पर तेज प्रताप सिंह यादव को उम्मीदवार बना सकते हैं। तेज प्रताप पहले भी इस सीट से सांसद रह चुके है। वह मुलायम सिंह यादव के बड़े भाई के रतन सिंह यादव पौत्र हैं। तेज प्रताप के पिता रणवीर सिंह यादव राजनीतिक रूप से काफी सक्रिय थे, लेकिन 36 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। वो ब्लाक प्रमुख रहे हैं और रणवीर की पत्नी मृदुला यादव मौजूदा समय में सैफई की ब्लाक प्रमुख हैं।रणवीर सिंह यादव सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चचेरे भाई हैं, जिस लिहाज से तेज प्रताप सिंह यादव उनके भतीजे हैं। तेज प्रताप की पत्नी राजलक्ष्मी बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी हैं। इस तरह से लालू प्रसाद के दामाद हैं। तेज प्रताप मैनपुरी से पहले भी सांसद रह चुके हैं और सपा उन्हें एक बार फिर से टिकट दे सकती है। हालांकि, तेज प्रताप के अलावा धर्मेंद्र यादव और डिंपल यादव के नामों को लेकर भी पार्टी में चर्चा है, लेकिन पार्टी को तरफ से अभी तक औपचारिक रूप से कोई नाम फाइनल नहीं है।

न्यूज़ ट्रैक....

सभी राज्य संघों को 24 लाख रुपये का अनुदान दें : फुटबॉल महासंघ

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की विकास समिति ने कहा है कि देश के सभी राज्य संघों को सालाना 24 लाख रुपये का वार्षिक अनुदान दिया जाना चाहिये। अभिजीत पॉल ने अध्यक्षता में हुई इस बैठक में एआईएफएफ की ओर से कहा गया कि राज्य संघ इस पैसे का उपयोग महिला और पुरुष फुटबॉल लीग को बेहतर बनाने के साथ ही खेल ढ़ांचे को बनाने के लिए करें। समिति ने इसके साथ ही कहा कि आईएफएफ प्रत्येक राज्य संघ को अपने संबंधित प्रशासन प्रमुखों और तकनीकी समन्वयकों को नियुक्त करने में भी सहायता दे। समिति ने कहा,'' यदि राज्य संघों ने पहले ही इन पदों पर नियुक्ति कर दी है तो वह इस अनुदान का उपयोग अन्य नियुक्तियों के लिए कर सकते हैं।'' साथ ही कहा कि अनुदान के वितरण और उसके उपयोग करने की नीति तैयार करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है।

विराट के रिकॉर्ड से हैरान हैं वाटसन

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वाटसन ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि टी20 विश्व कप में उनका रिकॉर्ड अनूठा होने के साथ ही हैरान करने वाला है। कोहली ने अब तक इस टी20 विश्व कप में तीन अर्धशतक लगाये हैं। इसी के साथ ही वह टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा 1017 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने हैं। उन्होंने श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने का 1016 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ा है। वाटसन ने कहा ,'' टी20 विश्व कप में 80 से ऊपर की औसत से एक हजार से अधिक रन बनाना कमाल की बात है। उन्होंने कहा ,'' टी20 क्रिकेट काफी जोखिम भरा होता है। इसमें बल्लेबाजी में कई खतरे उठाने पड़ते हैं। इसके बाद भी उसने इतने अच्छे औसत से रन बनाकर भारत को कई मैच जिताये हैं। उन्होंने कहा ,'' वह गजब है और उसके आंकड़े और भी कमाल के हैं। इतने खतरे वाले प्रारूप में इतने अधिक रन बनाना और लगातार बनाना बड़ी बात है। कोहली ने इस विश्व कप में अब तक कुल 220 रन बना लिये हैं।

अब नंबर एक बनना लक्ष्य नहीं : नडाल

पेरिस । स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ने कहा है कि वह अब नंबर एक रैंकिंग के लिए प्रयास नहीं कर रहे हैं। जो भी सफलताएं उन्हें अब तक मिली हैं उससे वह संतुष्ट हैं। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने कहा है कि वह जिस भी टूर्नामेंट में खेलते हैं। उसी में बेहर प्रदर्शन करना उनका लक्ष्य रहता है। नडाल ने कहा, 'मैं जिस टूर्नामेंट में खेलता हूं, उसमें प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए लता हूं। मैं अब नंबर एक बनने की दौड़ में शामिल नहीं हूं। मैंने अपने करियर में एक-दो बार उस लक्ष्य को हासिल किया है और मैं उसको लेकर अब भी गर्व का अनुभव करता हूं। नडाल अपने करियर में 209 हफ्तों तक शीर्ष रैंकिंग पर रह चुके हैं। अब तक पांच बार वह शीर्ष पर रहते हुए साल का समापन करने में सफल रहे हैं। फ्रेंच ओपन का खिताब 14 बार जीतने वाले नडाल ने कहा, 'यह सच है कि यह विशेष आयोजन मेरे लिये बहुत अच्छा नहीं रहा है पर उस शहर में आना हमेशा अच्छा होता है जो मेरे लिए इतना खास है। दो महीने के अंतराल के बाद लौट रहे नडाल ने कहा कि वह एटीपी टूर पर वापस आकर खुश हैं।

विलियमसन की शानदार पारी से न्यूजीलैंड ने आयरलैंड को 186 रनों

एडीलेड । न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप 2022 के 37वें मुकाबले में आयरलैंड को जीत के लिए 186 रनों का लक्ष्य दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम ने कप्तान केन विलियमसन के 61 , फिन एलन के 32 , डेरिल मिशेल के नाबाद 31 और डेवोन कोनवे के 28 रनों की सहायता से निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 185 रन बनाये। वहीं आयरलैंड की ओर से जोश लिटिल ने तीन और गैरेथ डेलेनी ने दो विकेट लिए। एक विकेट मार्क एडेर को मिला।

इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही और उसके बल्लेबाजों नें निरंतरता दिखायी। कप्तान विलियमसन ने अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक

पहुंचाया।

न्यूजीलैंड की टीम को अगर सेमीफाइनल मुकाबले में प्रवेश करना है तो उसे आयरलैंड के खिलाफ इस मैच को जीतना होगा। इसके अलावा उसे अपने रन औसत पर ध्यान रखना होगा। वहीं आयरलैंड की टीम के पास भी सेमीफाइनल में प्रवेश करने का मौका है. लेकिन टीम को यहां ब? अंतर से जीत के साथ अन्य के परिणामों पर भी निर्भर रहना प?गा. 36 मुकाबलों के बाद ग्रुप ए में न्यूजीलैंड की टीम दो जीत और एक मैच रद्द होने की वजह से पांच अंक (+2.233) अंक लेकर पहले स्थान पर स्थित है। वहीं आयरलैंड की टीम एक जीत और एक मैच रद्द होने की वजह से तीन अंक (-1.544) लेकर पांचवें स्थान पर है।

मप्र राज्य जूनियर रैंकिंग बैडमिन्टन टूर्नामेंट

मृदुल और शारा को तिहरे खिताब मिले

इन्दौर/भोपाल । धार के उदय मुकाती और एश्वर्या मेहता ने राजधानी में खेली गई मप्र राज्य जूनियर रैंकिग बैडमिन्टन टूर्नामेंट में जूनियर वर्ग का खिताब जीत लिया। अंडर 17 वर्ग में ग्वालियर के मृदुल भिरयानी और ग्वालियर की शारा मेहता चैम्पियन बने। टूर्नामेंट में मृदुल भिरयानी व शारा मेहता ने तीन-तीन और उदय व एश्वर्या ने दो-दो खिताब अपने नाम किये। स्पर्धा कांता श्रवण, बैडमिन्टन हॉल, अयोध्या बायपास रोड़, भोपाल में खेली गई। इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के चीफ जनरल मैनेजर उत्तम रॉय के मुख्य आतिथ्य में पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में एमपीबीए के सचिव अनिल चौघुले, बीडीबीए के सचिव जय सिंह, दीपक श्रीवास्तव, आयोजन प्रमुख राकेश कुमार पाण्डेय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बालक अंडर 19 एकल के खिताबी मुकाबले में धार के उदय मुकाती ने धार के दूसरी वरीयता धारी कनिष्क शर्मा को सीधे गेमों में 21-12, 21-19 से हराया। बालिका वर्ग में एश्वर्या मेहता (धार) ने गौरी चित्तले (एमपीबीए) पहले गेम में संघर्ष के पश्चात 25-23, 21-16 से पराजित कर खिताबी जीत दर्ज की। खिताबी मुकाबलों के परिणाम इस प्रकार रहे : बालक एकल अंडर 17 ≈ मृदुल भिरयानी (ग्वालियर) विवि मंत्र सोनेजा

(एमपीबीए) 21-17, 11-21, 21-13

बालक युगल अंडर 19 ≈ अनुज काले (एमपीबीए)-विनय शर्मा विवि देव कुमावत (ग्वालियर)-अंगद मुछाल (नीमच) 21-13, 21-17

बालक युगल अंडर 17 ≈ अवध बावेजा-मृदुल भिरयानी (ग्वालियर) विवि देव कुमावत (ग्वालियर)-अंगद मुछाल (नीमच) 21-14, 20-22, 21-19

बालिका एकल अंडर 17 ≈ शारा मेहता (ग्वालियर) विवि आशिता दुबे (ग्वालियर) 19-21, 23-21, 21-17

बालिका युगल अंडर 19 ≈ एश्वर्या मेहता (धार)-प्रियंका पंत (भोपाल) विवि गौरी चित्तले (एमपीबीए)-स्वाती सिंह सोलंकी (भोपाल) 21-19, 19-21, 21-17

बालिका युगल अंडर 17 ≈ आशिता दुबे-शारा मेहता (ग्वालियर) विवि प्रणिका होलकर (एमपीबीए)-ताबिया खान (भोपाल) 21-12, 21-12

मिश्रित युगल अंडर 19 ≈ उदय मुकाती (धार)-श्रृष्टि गुप्ता (इन्दौर) विवि वत्सल सोमन-गौरी चित्तले (एमपीबीए) 11-21, 21-14, 21-16

मिश्रित युगल अंडर 17 ≈ मृदुल भिरयानी-शारा मेहता (ग्वालियर) विवि अवध बावेजा-आशिता दुबे (ग्वालियर) 21-13, 19-21, 21-14

टी20 विश्वकप : पाक की जीत से भारत के लिए सेमीफाइनल की राह कठिन हुई

मेलबर्न । टी20 विश्वकप क्रिकेट में पाकिस्तान की दक्षिण अफ्रीका पर जीत से सेमीफाइनल में भारत की राह कठिन हुई है। पाकिस्तान की जीत से भारत की मुश्किलें इसलिए बढ़ी हैं क्योंकि दक्षिण अफ्रीका को हराकर पाकिस्तान सेमीफाइनल की दौड़ में शामिल हो गया है। अब अगर वह अपना आखिरी ग्रुप मैच बांग्लादेश से जीत ले तो उसके अंक तालिका में 6 अंक हो जाएंगे। पाकिस्तान का रन औसत भारत से अच्छा है। इस प्रकार वह अंक तालिका में भारत से ऊपर पहुंच जाएगा.

वहीं अपने आखिरी ग्रुप मैचों में 6 नवंबर को भारत का सामना जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका का सामना नीदरलैंड्स से है। वहीं इसी दिन पाकिस्तान-बांग्लादेश में मुकाबला होगा। सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड्स का मैच होगा। इसके कुछ देर बाद पाकिस्तान-बांग्लादेश खेलेंगे। अगर इन मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान जीत जाएं तो वह अंक तालिका में 7 और 6 अंक लेकर शीर्ष-2 में पहुंच जाएगा। ऐसे में भरतीय टीम को हर हाल में जिम्बाब्वे पर जीत दर्ज करनी होगी। अगर भारत मैच जीतता है तो वह ग्रुप में पहले नंबर पर रहते हुए सेमीफाइनल में जाएगा. लेकिन अगर जिम्बाब्वे जीतता है। वहीं पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका अपने आखिरी मैच जीतते हैं तो भारत को

सेमीफाइनल में स्थान नहीं मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया में खेले जा रहे इस विश्व कप के सुपर-12 में हर टीम ने 4-4 मैच खेले हैं। इसके बाद भी सेमीफाइनल की तस्वीर साफ नहीं हुई है। । ऐसे में अब भारत को हर हाल में जिम्बाब्वे पर जीत दर्ज करनी होगी। वहीं अगर यह मैच बारिश के कारण नहीं हो पाता तो भारत की राह आसान हो जाएगी क्योंकि अंक बंट जाएंगे। फिलहाल भारतीय टीम अपने ग्रुप में 6 अंक लेकर पहले नंबर पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका 5 अंक के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश 4-4 अंक लेकर तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। जिम्बाब्वे 3 पांचवें और नीदरलैंड्स 2 छठे नंबर पर है। वहीं अब सभी टीमों को एक-एक ग्रुप मैच और खेलने हैं। इस तरह ग्रुप की चार टीमें भारत, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान और बांग्लादेश सेमीफाइनल की दौड़ में बने हुए हैं।

व्यापार न्यूज

अडाणी एंटरप्राइजेज का मुनाफा बढ़कर दोगुना से अधिक हुआ

नई दिल्ली । देश के प्रमुख कारोबारी गौतम अडाणी के समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका मुनाफा बढ़कर दोगुना से अधिक हो गया। दूसरी तिमाही में अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) का मुनाफा 460.94 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 212.41 करोड़ रुपए था। कंपनी ने कहा कि इस दौरान उसकी परिचालन आय लगभग तीन गुना होकर 38,175.23 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। जुलाई-सितंबर, 2021 में यह आंकड़ा 13,218 करोड़ रुपए था। कंपनी ने बताया कि मुख्य रूप से एकीकृत संसाधन प्रबंधन और हवाई अड्डा कारोबार के मजबूत प्रदर्शन के कारण उसका मुनाफा बढ़ा।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने मोटोरोला से मिलाया हाथ

बेंगलुरु । सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने ब्रॉडबैंड सहित अन्य सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए मोटोरोला सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ करार किया है। कंपनी ने बताया कि इस समझौते का उद्देश्य बीईएल तथा मोटोरोला की पूरक क्षमताओं और ताकतों का लाभ लेना है। इसमें कहा गया है कि बीईएल तथा मोटोरोला पेशेवर मोबाइल रेडियो श्रेणी के उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करने और उनको उनकी टीमों के साथ तेज गति और प्रभावशीलता के साथ जोड़ने में मदद देंगे। ऐसा पुश टू टॉक (पीटीटी) सेवा मोटोरोला वेव पीटीएक्स के माध्यम से किया जाएगा।

अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरें बढ़ाने का असर अब तक निवेशकों पर दिख रहा है और यही कारण रहा कि पिछले कारोबारी सत्र में लगातार चौथे दिन बाजार गिरावट पर बंद हुआ। अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल नेस्डेक पर पिछले सत्र के दौरान 1.73 फीसदी की बड़ी गिरावट दिखी थी। वहीं अमेरिका की तर्ज पर यूरोप के भी ज्यादातर शेयर बाजार पिछले कारोबारी सत्र के दौरान नुकसान पर बंद हुए। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल जमर्नी के स्टॉक एक्सचेंज पर पिछले सत्र में 0.95 फीसदी की गिरावट दिख रही थी, जबकि फ्रांस का शेयर बाजार 0.54 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

सोना 50,350 रुपए प्रति दस ग्राम पर खुला, चांदी भी हुई महंगी

नई दिल्ली । भारतीय वायदा बाजार और वैश्विक बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमत में उछाल आया है। भारतीय वायदा बाजार में सोने का भाव कल गिरावट के साथ बंद हुआ था। लेकिन शुक्रवार को यह तेजी के साथ खुला है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव शुरुआती कारोबार में कल के बंद भाव से 0.31 फीसदी उछलकर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी एमसीएक्स पर 0.54 फीसदी चढ़ी है। वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह 156 रुपए उछलकर 50,340 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया था। सोने का भाव 50,350 रुपए प्रति दस ग्राम पर खुला था। खुलने के बाद एक बार यह 50,325 रुपए तक चला गया लेकिन थौ़ी देर बाद यह कुछ संभला

और 50,340 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी में भी तेजी देखी जा रही है। चांदी 315 रुपए बकर 58,641 रुपए हो गई है। चांदी का भाव 58,444 रुपए पर खुला था। क बार भाव 57,727 रुपए तक तक चला गया लेकिन बाद में भाव गिरकर 58,641 रुपए हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के भाव में तेजी देखी जा रही है। चांदी में अच्छा-खासा उछाल दर्ज किया गया है। सोने का हाजिर भाव 0.35 फीसदी चककर 1,639.93 डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव 2.35 फीसदी बकर 19.61 डॉलर प्रति औंस हो गया है। भारतीय सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने-चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। दस ग्राम सोना सस्ता होकर 50,597 रुपए हो गया। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 402 रुपए गिरकर 50,597 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,999 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत 1,244 रुपए की गिरावट के साथ 58,111 रुपए प्रति किग्रा रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 56,867 रुपए प्रति किग्रा थी।

रुपया 25 पैसे चढ़कर 82.63 पर

मुंबई । अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 25 पैसे चढ़कर 82.63 रुपए पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.85 पर खुला और फिर बढ़कर 82.63 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 25 पैसे की वृद्धि दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे गिरकर 82.88 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत गिरकर 112.67 पर आ गया।

पेट्रोल-डीजल पटना और लखनऊ में महंगा, नोएडा में सस्ता

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान करीब एक डॉलर की गिरावट आई है। इस बीच शुक्रवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल और डीजल की कीमत में भी बदलाव दिख रहा है! कंपनियों ने शुक्रवार को यूपी के कुछ शहरों में तेल के दाम घटाए हैं तो कुछ जगह बढ़ाए गए हैं। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 24 पैसे सस्ता होकर 96.76 रुपए लीटर और डीजल 21 पैसे गिरकर 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 18 पैसे महंगा होकर 96.62 रुपए लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 17 पैसे चढ़कर 89.81 रुपए लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 35 पैसे चढ़कर 107.59 रुपए लीटर और डीजल 32 पैसे बढ़कर 94.36 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में पिछले 24 घंटे में करीब एक डॉलर की गिरावट आई है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत

सेंसेक्स 60,800 और निफ्टी 18,000 पर

मुंबई । वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख और विदेशी निवेशकों की लिवाली जारी रहने के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुले। इससे पहले दो दिन तक शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई

थी। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 153 अंक चढ़कर 60,989.41 पर आ गया। व्यापक एनएसई निफ्टी 55.3 अंक की बढ़त के साथ 18,108 पर कारोबार कर रहा था। हालांकि बाद में दोनों सूचकांकों में अस्थिरता आ गई। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 27.58 अंक की गिरावट के साथ 60,808.83 अंक पर कारोबार कर रहा था और एनएसई निफ्टी 7.35 अंक गिरकर 18,045.35 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय स्टेट बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट में मजबूती थी। दूसरी ओर, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस, डॉ. रेड्डीज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। पिछले कारोबारी सत्र में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 69.68 अंक घटकर 60,836.41 पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 30.15 अंक की गिरावट के साथ 18,052.70 अंक पर आ गया। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 677.62 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

मुंबई । एशिया बाजार में मिलाजुला कारोबार देखा जा रहा है। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज पर जहां 0.04 फीसदी का उछाल दिख रहा वहीं जापान का निक्केई 2.03 फीसदी गिरकर कारोबा कर रहा है। हांगकांग में 4.16 फीसदी का जबरदस्त उछाल है तो ताइवान में 0.18 फीसदी की गिरावट दिख रही है। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी 0.05 फीसदी बढ़त पर ट्रेडिंग कर रहा है. चीन के शंघाई कंपोजिट पर भी 1.39 फीसदी की बड़ी तेजी दिख रही है। आज दबाव के बावजूद कई ऐसे स्टॉक हैं जो निवेशकों को मुनाफा दिला सकते हैं।

4 लाख सीएनजी कारें बेचने में सफल होगी मारुति सुजुकी

नई दिल्ली । कंपनी मारुति सुजुकी को उम्मीद है कि वह इस वित्तीय वर्ष में देश में 4 लाख सीएनजी कारें बेचने में सफल रहेगी। इन कारों में नेक्सा ब्रांड के तहत हाल में लॉन्च गई बलेनो सीएनजी और एक्सएल 6 का काफी योगदान रहेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सेल्स एंड मार्केटिंग शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी का 4 लाख सीएनजी कारों की बिक्री का लक्ष्य है।

इसके अलावा कंपनी के पोर्टफोलियो से डीजल वाहनों के धीरे-धीरे बाहर होने के साथ वित्त वर्ष 2023 में कुल बिक्री का 20 प्रतिशत सीएनजी कारों से आया है।2010 से मारुति सुजुकी ने देश में 11.4 लाख सीएनजी कारों की बिक्री की है।कंपनी का दावा है कि अब तक इन कारों की वजह से 10 लाख टन सीओ2 उत्सर्जन की बचत हुई है। कंपनी ने लगभग एक दशक पहले 3 कारों के साथ अपनी सीएनजी यात्रा शुरू की थी, जिसमें नई लॉन्च हुई मारुति सुजुकी एक्सएल6 सीएनजी और मारुति सुजुकी बलेनो सीएनजी सहित 12 कारों की संख्या

4 गुना हो गई है।हालांकि, सीएनजी वाहनों की बढ़ती मांग में पिछले एक साल में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है, क्योंकि कंपनी मारुति सुजुकी ऑल्टो, मारुति सुजुकी एस-प्रेसो, मारुति सुजुकी सेलेरियो, मारुति सुजुकी वैगन आर, मारुति सुजुकी ईको और मारुति पर भी सीएनजी की पेशकश करती है। निजी खरीदारों के लिए सुजुकी डिजायर और फ्लीट ग्राहकों के लिए डिजायर टूर एम और डिजायर टूर एच3, इसके पोर्टफोलियो की बिक्री का 17 प्रतिशत सीएनजी वेरिएंट द्वारा योगदान दिया जा रहा है। श्रीवास्तव ने कहा, ÷पिछले साल हमने 2.30 लाख सीएनजी कारें बनाईं, जिसमें मारुति सुजुकी वैगन आर सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल था, जिसके बाद मारुति सुजुकी एर्टिगा और मारुति सुजुकी ईको थे।पिछले महीने, हमने 30,000 सीएनजी कारें बेचीं, हालांकि, हम एक गंभीर बैकलॉग का सामना कर रहे हैं।÷ कंपनी के लिए दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी कार एर्टिगा है, जिस पर वर्तमान में 37 सप्ताह की वेटिंग चल रही है।

कंपनी की पास अभी 72,000 कारों की डिलीवरी पेंडिंग है, जबकि ग्राहकों को छोटी कारों की डिलीवरी के लिए कुछ सप्ताह इंतजार करना पड़ रहा है।कुल मिलाकर मारुति वित्त वर्ष 2023 के विकास के लिए पूर्व-महामारी के स्तर के करीब पहुंचने के लिए आश्वस्त है।सीएनजी कारों की बढ़ती मांग के चलते कंपनी के पास अब तक लगभग 1.23 लाख कारों का ऑर्डर पेंडिंग है।इसके चलते अब कंपनी सीएनजी अब से चलने वाली कारों के लिए अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना चाहती है।

उंगलियों के दूरी भी बताती है कैसा रहेगा जीवन

हाथ की रेखाओं के साथ आप उंगलियों से भी आप वर्तमान और भविष्य के बारे में जान सकते हैं। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार,हस्तरेखा में उंगलियों की लंबाई के साथ उनकी बनावट और उनके बीच की दूरी भी इंसान के बारे में बता सकती है। अंगुलियों के बीच का अंतर भविष्य में क्या छिपा है यह बता सकता है।

लक्ष्य को लेकर होते हैं काफी गंभीर

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, तर्जनी यानी अंगूठे के पास वाली उंगली और मध्यमा यानी मीडिल फिंगर के बीच में खाली जगह है तो उस व्यक्ति के विचार स्वतंत्र होते हैं। वह आसानी से हर बात को कह देता है। अंगुलियों के बीच की ज्यादा दूरी है तो वह काफी मतलबी हो सकते हैं। हालांकि इस तरह के लोग अपने लक्ष्य को लेकर काफी गंभीर होते हैं और इनकी मेहनत भी काफी रंग लाती भी है।

ऐसे लोग केवल अपने फायदे सोचते हैं

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, मध्यमा यानी मिडिल फिंगर और अनामिका यानी रिंग फिंगर के बीच में दूरी नहीं होनी चाहिए। इन दोनो अंगुलियों का पास-पास होना शुभ माना जाता है। अगर इनके बीच में खाली जगह हो तो ऐसा व्यक्ति काफी लापरवाह माना जाता है। यह केवल अपने बारे में सोचते हैं।

परिवार के लिए करते हैं सभी कार्य

अनामिका यानी रिंग फिंगर और कनिष्ठा यानी सबसे छोटी उंगली के बीच की खाली जगह अशुभ मानी जाती है। ऐसे व्यक्ति बहुत क्रोधी होते हैं। यह अपने हक के लिए किसी भी स्तर पर जा सकते हैं, फिर यह गलत और सही नहीं देख पाते। जिनकी खाली जगह होती है, वह काफी सकारात्मक सोचते हैं और अपने परिवार की शांति के लिए सभी कार्य करते हैं।

बड़े पदों पर काम करते हैं ऐसे लोग

अगर तर्जनी यानी अगूंठे के पास वाली उंगली अनामिका यानी रिंग फिंगर से छोटी होती है। तो ऐसे व्यक्ति में अहं भाव, सम्मान पाने की इच्छा बहुत होती है। यदि यह ऊंगली अनामिका से बड़ी हो तो व्यक्ति उत्तरदायित्व वाले पदों यानी बड़े पदों पर काम करता है। अगर यह सामान्य से छोटी हो तो व्यक्ति में महत्वाकांक्षा की कमी होती है।

गंभीर स्वभाव के होते हैं ऐसे व्यक्ति

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, यदि किसी भी उंगलियों में फासला नहीं है तो ऐसे व्यक्ति काफी गंभीर स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग किसी से ज्यादा बात नहीं करते हैं, हमेशा अपने आप में रहते हैं। जिनकी सभी उंगलियों में फासला होता है ऊर्जावान होते हैं। इन लोगों की सोच काफी सकारात्मक होती है।

हृदय रेखा छोटी सा फिर हल्की होना अच्छा नहीं

विवाह के लिए वर-वधू का योग देखने में हस्तरेखा का बहुत बड़ा योगदान होता है। किसी भी विवाह का भविष्य वर और कन्या की हथेली पर उपस्थित विभिन्न रेखाओं, पर्वतों और चिह्नों की स्थिति पर निर्भर करता है। कुछ ऐसी रेखाओं के बारे में जान लें जो विवाह के मामले में अच्छी साबित नहीं होतीं।

हृदय रेखा

यदि आपकी हृदय रेखा छोटी सा फिर हल्की है तो आपके लिए वैवाहिक संयोग अच्छे नहीं हैं। ऐसे में विवाह होने के बाद भी आपके संबंधों में विच्छेद हो सकता है।

मंगल पर्वत

यदि आपका मंगल पर्वत जरूरत से ज्यादा विकसित हो या फिर मंगल पर दोषपूर्ण चिह्न हो तो ऐसे में विवाह करना आपके लिए सही नहीं होगा।

शुक्र पर्वत हों कम विकसित

शुक्र पर्वत कम विकसित होने पर वैवाहिक जीवन में शारीरिक संतुष्टि नहीं प्राप्त होती। चंद्र पर्वत और बृहस्पति के कम विकसित होने पर भी ऐसा ही होता है।

हृदय रेखा पर काले चिह्न अशुभ

यदि आपकी हृदय रेखा पर किसी प्रकार के काले चिह्न शुभ नहीं है। मस्तिष्क रेखा और जीवन रेखा में जरूरत से ज्यादा दूरी होना सही नहीं है। हाथ का निचला क्षेत्र अत्यधिक विकसित होना अच्छा नहीं माना जाता। ये सभी बातें विवाह पश्चात शारीरिक अनुकूलता के लिए सही नहीं है। ये सभी विकार असंतुष्ट यौन संबंधों को दर्शाते हैं।

संतान सुख नहीं मिल पाता इनको

अगर आपकी हृदय रेखा छोटी है और शुक्र व गुरु पर्वत के उभार भी कम हैं। विवाह रेखा के ऊपर क्रॉस है। जिस स्थान पर मस्तिष्क रेखा बुध रेखा को काटती है।

ये 10 चीजें हो तो माता लक्ष्मी कभी नहीं आती

व्यक्ति अपने परिवार की खुशी के लिए कड़ी मेहनत करता है ताकि उसके घर में हमेशा सुख और समृद्धि बनी रहे। लेकिन जाने-अनजाने कई बार कुछ छोटी-छोटी गलतियों की वजह से उनके ऊपर माता लक्ष्मी की कृपा नहीं हो पाती। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में कई बार कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिसकी हम अनदेखी कर देते हैं लेकिन यही अनदेखी नुकसान और परेशानी की वजह बन जाती है।

- वास्तु शास्त्र में घर पर मकड़ी के जाले को अशुभ माना जाता है इसलिए मकड़ी का जाला घर में न लगने दें। इससे उलझन और परेशानी बढ़ती है।
- टूटे हुए आईने से हमेशा नकारात्मक ऊर्जा निकलती रहती है इसलिए घर में जब भी कोई दर्पण या शीशा टूट जाए तो उसे घर से बाहर कर दें।
- घर में चमगादड़ का प्रवेश अशुभ माना गया है। वास्तु विज्ञान के अनुसार घर में चमगादड़ का आना सूनेपन की निशानी है। घर में कुछ बुरी घटनाएं होने के संकेत होते हैं।
- घर की दीवारों में दरारों का होना अशुभ होता है इसलिए जहां दरार हो उसकी मरम्मत करवाएं, दरार का होना धन के लिए अशुभ माना गया है क्योंकि माता लक्ष्मी उन्हीं घरों में वास करती है जहां पर साफ-सफाई होती है।
- वास्तु शास्त्र में नल से पानी टपकते रहने को अशुभ माना गया है। नल से लगातार पानी टपकने से धन की हानि होती है। इसलिए जब भी नल से पानी टपकता हो तो उसकी मरम्मत तुरंत करवाएं।
- घर की छत पर कबाड़ और बेकार की चीजों को एकत्र न होने दें।
- पूजा घर या घर पर कभी भी में बासी फूल को इकट्ठा करके नहीं रखें।
- घर में खराब पड़े बिजली के उपकरणों को नहीं रहने देना चाहिए।
- घर में कबूतर का घोंसला बनाना वास्तु विज्ञान के अनुसार अशुभ चिन्ह है। माना जाता है इससे घर पर बड़ी मुसीबत आती है।
- घर के दीवारों के कोने में अगर कोई मधुमक्खी या मकड़ी घर में छत्ता लगाए तो इसे हटा दें। इनका घर में होना अशुभ सूचक होता है।

अनंत चतुर्दशी व्रत से प्राप्त होते है सभी सुख

हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी व्रत रखा जाता है। इस बार नौ सितंबर को अनंत चतुर्दशी है। इस दिन भगवान विष्णु के विराट स्वरुप की पूजा अर्चना की जाती है। ऐसी मान्यता है कि विधिवत तरीके और पूरी श्रद्धा के साथ यह व्रत करने वाले भक्तों के सभी दु:ख दूर होते हैं और वो सुख को प्राप्त होते हैं। शास्त्रों के अनुसार, इसी दिन गणेश चतुर्थी के 10 दिन पूरे होते हैं और भक्त पूजा पाठ के साथ गणेश प्रतिमा का विसर्जन करते हैं।

आइए जानते हैं अनंत चतुर्दशी व्रत की पूजा विधि

अनंत चतुर्दशी व्रत की पूजा विधि

इस दिन व्रत करने वाले भक्तों को तड़के सुबह उठकर स्नान ध्यान के बाद साफ कपड़े धारण करने चाहिए। इसके बाद पूजाघर की साफ सफाई करने के बाद इसे फूलों से सजाना चाहिए। इसके बाद ममाखिलपापक्षयपूर्वकशुभफलवृद्धये श्रीमदनन्तप्रीतिकामनया अनन्तव्रतमहं करिष्ये इस मंत्र को पढ़ते हुए व्रत का संकल्प करना चाहिए। अनंत सूत्र के हल्दी लगे धागे (अनंत दोरक) को स्थापित करना चाहिए। इसके बाद आम की पत्तियों, धूप, दीप, नैवेद्य और आम के पत्तों से पूजा अर्चना करें। इसके साथ ही भगवान को पंचामृत, पंजीरी, केले और मोदक का प्रसाद भी चढ़ाएं। इसके बाद इस मंत्र नमस्ते देव देवेश नमस्ते धरणीधर। नमस्ते सर्वनागेन्द्र नमस्ते पुरुषोत्तम।। इस मंत्र का जाप करते हुए व्रत खोल लें। इस बार की चतुर्दशी बेहद खास होने वाली है वो भी इसलिए क्योंकि गणेशजी पंचकों में विदा होंगे। पंचकों में भगवान की चाहे स्थापना हो या विदाई, इसे बेहद शुभ माना जाता है।

मनी प्लांट लगाते समय रखें यह ध्यान

यूं तो हर कोई मनी प्लांट अपने घर में लगाता है ताकि घर में आर्थिक रूप से संपन्नता हो लेकिन क्या आप जानते हैं कि गलत दिशा में रखा गया मनी प्लांट आपको तबाह कर सकता है। आर्थिक रूप से कंगाल बना सकता है। तो अगर आप भी ये पौधा अपने घर में लगाना चाहते हैं, तो पहले इन बातों को जान लें। इसके मुताबिक ही घर में मनी प्लांट लगाएं। इससे आपको काफी लाभ होगा।

- जब भी घर में ये पौधा लाएं तो ध्यान रखें कि इसे आग्नेय दिशा यानी कि दक्षिण-पूर्व में ही लगाएं। बता दें कि इस दिशा के देवता गणेश जी है जो कि अमंगल नाशक हैं और प्रतिनिधि ग्रह है शुक्र जो कि सुख- समृद्धि दायक है। इस तरह आपको आग्नेय दिशा में मनी प्लांट लगाने से फायदा ही फायदा होगा।
- वहीं अगर आपने इसे किसी और दिशा में या फिर नकारात्मक कही जाने वाली ईशान दिशा यानी कि उत्तर- पूर्व में रख दिया तो आपको हानि ही हानि होगी। इसके पीछे कारण यह है कि बृहस्पति जो कि देवताओं के गुरु हैं और शुक्र राक्षसों के गुरु हैं। दोनों ही एक-दूसरे के शत्रु हैं ओर ईशान का प्रतिनिधिग्रह बृहस्पर्ता है।
- ऐसे में जब भी आप इस दिशा में मनी प्लांट लगाते हैं तो आपको नुकसान ही नुकसान होगा। तो जब भी आपको घर में मनी प्लांट का पौधा लगाना हो, ध्यान रखें कि उसकी दिशा आग्नेय हो। इससे आपको धन संबंधी लाभ तो मिलेगा ही साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

घर की फ्लोरिंग के लिए रंगों का चुनाव सोच-समझकर करें

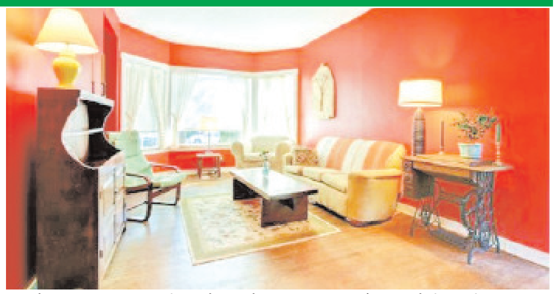

वास्तु के अनुसार अपने घर की फ्लोरिंग के लिए रंगों का चुनाव सोच-समझकर करें। क्योंकि रंग भी घर में भी रहने वाली सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा को प्रबावित करते हैं। घर में यदि सही रंगों का प्रयोग किया गया है तो घर में अच्छी ऊर्जा बनी रहती है।

पूर्व दिशा

पूर्व दिशा यदि ठीक हो तो घर के मुखिया पर भगवान इंद्र की कृपा रहती है। इसके अलावा यह दिशा भगवान सूर्य को भी समर्पित मानी गई है, इस दिशा में सही होने से समाज में मान-सम्मान बना रहता है। वास्तु के अनुसार इस दिशा का फर्श गहरे हरे रंग का होना चाहिए।

पश्चिम दिशा

शास्त्रों के अनुसार पश्चिम दिशा लक्ष्मीजी का निवास माना गया है। इसलिए इस दिशा का दोष मुक्त होना बहुत जरूरी है। इस दिशा में अच्छी साफ-सफाई रखनी चाहिए। इस दिशा में फर्श का रंग सफेद होना चाहिए और बहुत ज्यादा आकृति और डिजाइंस नहीं होना चाहिए।

उत्तर दिशा

घर की उत्तर दिशा बेहद महत्वपूर्ण होती है। वास्तु-शास्त्र के अनुसार केवल इस एक दिशा के सही होने से घर में खुशहाली आती है। वास्तु-शास्त्र के अनुसार उत्तर दिशा को धन-कुबेर का स्थान माना जाता है। इस दिशा में हमेशा गहरे काले रंग का पत्थर फर्श के तौर पर लगवाना चाहिए।

दक्षिण दिशा

वास्तु के अनुसार दक्षिण दिशा नर्क की दिशा मानी जाती है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि कभी भी इस दिशा में घर का प्रलेश द्वार नहीं होना चाहिए। न ही इस दिशा में शयन-कक्ष या पति-पत्नी का बेडरूम होना चाहिए। चूंकि इसे यम की दिशा मानी जाती है तो यहां के फर्श का रंग गहरा लाल होना चाहिए...।

उत्तर-पूर्व दिशा

उत्तर-पूर्व दिशा में भगवान शिव का वास माना गया है। शिवजी को आसमानी और नीला रंग बेहद पसंद है, इसलिए शिव पूजा में आसमानी रंगों का प्रयोग किया जाना शुभ माना गया है।

दक्षिण पूर्व

इस दिशा का सृष्टि के रचियता ब्रह्मा की दिशा माना गया है। इस दिशा में बैंगनी रंग का फर्श होना शुभ माना जाता है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा

दक्षिण दिशा के स्वभाव से ठीक विपरीत दक्षिण पश्चिम दिशा का स्वभाव है। इस दिशा में हल्के रंगों का इस्तेमाल सही माना गया है। यहां हल्के गुलाबी रंग का फर्श ठीक माना गया है।

उत्तर-पश्चिम दिशा

घर की इस दिशा को वायु की दिशा माना जाता है। इसलिए इस दिशा की दीवारों, पर्दों और यहां तक फर्श का रंग भी ग्रे होना चाहिए। यह रंग इस दिशा के लिए सबसे शुभ माना गया है। इन जानकारी के अनुसार अगर आप अपने घर का फर्श बनवाते हैं तो आपको घर वास्तुदोष से मुक्त रहेगा। लेकिन अगर किसी कारण से आपने किसी दिशा में गलत रंग का फर्श बनवा लिया है तो आप कमरों का उपयोग बदल सकते हैं। जैसे रसोईघर को शयन कक्ष बना लें या लिविंग एरिया को बेडरूम बनाकर घर को वास्तुअनुरूप बना सकते हैं।

आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया

सनत जैन

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की एडिशनल मॉनिटरी पॉलिसी मीटिंग में महंगाई एवं घटती आय की हकीकत सामने आई है। 2017-18 में महंगाई 3.3 फ़ीसदी पर थी। जो अब बढ़कर 7 फ़ीसदी पर पहुंच गई है। जिस हिसाब से महंगाई बढ़ी है। लोगों की उस हिसाब से आय नहीं बढ़ पाई है, उल्टे आय और घट गई हैं। 2017-18 में प्रति व्यक्ति आय 1,14,968 रूपये थी जो 2021-22 में घटकर 91,481 रूपये रह गई है। बड़े बुजुर्ग हमेशा सीख देते थे, जितनी चादर उतने पैर पसारो। जितनी कमाई है, उतना ही खर्च करो। कर्ज की गठरी सिर पर मत रखो। एक फिल्म बनी थी, जिसमें आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया पर आधारित फिल्म थी। जिसने आय की तुलना में खर्च ज्यादा होने से पूरी फैमिली को तहस-नहस कर दिया था। पिछले 8 वर्षों में केंद्र सरकार, राज्य सरकारें नगर निगम, सरकारी कंपनियां इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर ऋण ले रही है। अब तो ऋण की यह बयार गांव-गांव तक पहुंच गई हैं। स्वच्छता और नल जल योजना के नाम पर ग्राम पंचायतों में भी कर्ज की बयार बह रही है। गांव में संपत्ति कर और दूसरे टैक्स लगने शुरू हो गए हैं। आमदनी घट रही है खर्च बढ़ रहे हैं। सरकार लगातार टैक्स बढ़ाती जा रही है। रोजाना पब्लिक पर नए-नए टैक्स लादे जा रहे हैं। टैक्स की वसूली भी कुर्की और डिग्री के माध्यम से होने लगी है। गरीब-मध्यम वर्ग के ऊपर ही सबसे ज्यादा वसूली का प्रेशर है। बड़े आदमी और कारपोरेट इससे बहुत दूर हैं। उनके टैक्स और कर्जे सरकार माफ कर देती है। उनकी सहायता के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारें पलक पावडे बिछाती हैं। वही किसान, आम आदमी से भारी ब्याज के साथ कुर्की डिग्री के साथ वसूली कर ली जाती है। एक ही झटके में गरीबों, मध्यमवर्ग का पूरा परिवार बिखर जाता है। सरकार को लगता है, जनता के पास बहुत पैसा है। यदि नहीं होता तो जनता सड़कों पर उतर कर विरोध करती। किसानों ने सड़कों पर आकर विरोध किया था, तो 3 कानून सरकार ने वापस लिए थे। पिछले 8 वर्षों में टैक्स का दायरा बढ़ा है। महंगाई निरतंर बढ़ रही है। उसके बाद भी जनता यदि उसे स्वीकार कर रही है। सड़कों पर नहीं उतर रही है, तो इसका मायना ही यह कि जनता के पास बहुत पैसा है। रिजर्व बैंक की एडिशन मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग में बैंकों में एनपीए बढ़ना, अर्थव्यवस्था की हालत बद से बदतर होना, महंगाई पर काबू नहीं रख पाना, बेरोजगारी की दर लगातार बढ़ना, अब रिजर्व बैंक के लिये चिंता का विषय बन गया है। बैंकिंग सिस्टम ऐसी जर्जर अवस्था में पहुंच गया है। जहां पर बैंकों के दिवालिया होने की स्थिति बन गई है। विदेशी मुद्रा का भंडार लगातार घट रहा है। निर्यात और आयात का घाटा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें, चुनावी मोड में बनी हुई हैं। सत्तारूढ़ राजनेताओं को लगता है, कि मुफ्त अनाज और मुफ्त रेवड़ी से बहुतायत गरीबों के वोट तो उन्हें मिल ही जाएंगे। वह चुनाव जीत जाएंगे। 32 फ़ीसदी टैक्स मध्यमवर्ग देता है। यही 70 फ़ीसदी असंगठित क्षेत्र को रोजगार देता है। यही मध्यमवर्ग कर्ज के बोझ से दबकर दिवालिया हो रहा है। जो देश के लिए आर्थिक एवं कानून व्यवस्था की दृष्टि से सबसे खतरनाक स्थिति है। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने यदि इसका जल्द और सही हल नहीं खोजा, तो स्थिति पेट की भूख और नियमित जरूरत पूरी नहीं हो पाने के कारण स्थिति नियंत्रण से बाहर जाने में अब कोई कोर कसर वहीं बची है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा।

खामोश हो गयीं महिला अधिकारों की मुखर आवाज

कुमार कृष्णन

1987 या 1988 का साल होगा मेरे प्रिय पत्रकार प्रसून लतांत जो आरंभ सेपत्रकारिता के समाज सेवा करते आए हैं, उन्होंने भागलपुर के टाउन हॉल में आयोजित महिलाओं के संगठन में आने का न्योता दिया, साथ ही कहा- %छायाकार मनोज सिन्हा को साथ लाना। % उस दौर में फोटोग्राफी आज की तरह आसान नहीं था। आयोजन से जुड़े केदार चौरासिया ,सावित्री चौरासिया,चेतना झा अनुरोध था कि तस्बीरें जीवंत हो। सम्मेलन आरंभ हुआ, पूरा हॉल खचाखच भरा था, इला बेन का संबोधन हुआ, काफी महत्वपूर्ण बिषय था। महिला स्वावलम्बन को लेकर, उनकी गैरबराबरी के सवाल पर और संगठनात्मक ढांचे की मजबूती के सवाल पर उनका भाषण भागलपुर के लिए महत्वपूर्ण था। इसके बाद से ही %सेवा % का बिहार में विस्तार हुआ। शाम में इला बेन को मुंबई जनता एक्सप्रेस से लौटना था। प्रसून लतांत ने उनसे परिचय कराया और यहीं से उनके बारे में जाना। उसके बाद मुंगेर के आईटीसी में आयोजित कार्यक्रम में मुलाकात हुई। वहां उन्होंने तुरंत पहचाना।

आज इला बहन अब हमारे बीच में नहीं है। वे संघर्ष, सृजन, सेवा, संगठन, स्वाबलम्वन, सत्याग्रह के प्रतिमूर्ति थी इला बहन। उनकी जीवन एक बलिदान है, समाज में सच्चाई, न्याय अधिकार की स्थापना के लिए तथा एक अहिंसक आत्मनिर्भर समाज निर्माण के लिए, वह हमेशा चिंतित रहती थी। देश की वर्तमान परिस्थिति को लेकर गुजरात के गांधीवादी संस्थाओं को लेकर एक बेचैनी थी।

इला बेन को नाइंसाफी के खिलाफ जंग लड़ने की ताकत विरासत में मिली थी। माता-पिता से मिली ये ताकत कोई मामूली ताकत नहीं थी। ताकत इतनी थी कि उनका लोहा देश के लोगों ने ही नहीं बल्कि दुनिया के लोगों ने भी माना। सच्चाई और अहिंसा, यही वो दो अस्त्र थे जिनको साथ लेकर इला बेन ने दकियानूसी विचारों, रूढ़िवादी ताकतों, शोषण और नाइंसाफी के खिलाफ लड़ाई लड़ीं और जीत हासिल की। ये इला बेन की पहल, उनके संघर्ष और आन्दोलन का ही नतीजा है कि देश में स्वरोजगार महिलाओं को उनके अधिकार मिले, उन पर हो रहे शोषण पर रोक लगाने के लिए कानून बने। इला बेन ने स्वरोजगार महिलाओं को संगठित कर उनकी न सिर्फ यूनियन बनायी बल्कि उनके उत्थान और विकास के लिए उनका खुद का सहकारिता बैंक भी बनवाया। इला बेन यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने स्वरोजगार महिलाओं के लिए जो संगठन बनाया उसके अधीन काम करने वाली ऐसी कई संस्थाएं भी बनायीं जिससे स्वरोजगार महिलाओं का बहुमुखी विकास हो सके। सेल्फ इम्प्लॉइड विमेंस एसोसिएशन - एस.ई.डबल्यू.ए (सेवा) यानी स्वरोज़गार महिला संघ के ज़रिये इला बेन ने देश में एक ऐसी सामाजिक, आर्थिक और सहकारिता क्रांति की शुरुआत की जिससे लाखों महिलाओं ने अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति को मज़बूत बनाते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी शुरू की। 'सेवा% क्रांति के नाम से मशहूर इस आन्दोलन का सद्प्रभाव दुनिया के कई देशों में भी पड़ा। दुनिया के कई देशों में महिला कार्यकर्ताओं ने इला बेन की 'सेवा' को आदर्श मानते हुए इसी तरह के आन्दोलन की शुरुआत की और स्वरोजगार महिलाओं को न सिर्फ उनके अधिकार दिलवाए बल्कि उन्हें आत्म-निर्भर भी बनाया। इला बेन ने अपने संघर्ष और आन्दोलनों से शोषित और पीड़ित महिलाओं को वही ताकत दी जोकि उन्हें विरासत में मिली थी ङ्क नाइंसाफी के खिलाफ जंग लड़ने की, अपने अधिकार हासिल करने के लिए सच्चाई और अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए आन्दोलन करने की। इला बेन ने अपने कामयाब आन्दोलनों से ये भी साबित किया है कि आन्दोलन का मतलब हिंसा, विध्वंस, तोड़-फोड़, नारेबाजी और झंड़ेबाज़ी नहीं है, रचनात्मक कार्य करते हुए भी आन्दोलन कामयाब किये जा सकते हैं। इला बेन के जीवन-आदर्श और आन्दोलन ये भी साबित करते हैं कि गांधीवादी विचारधारा हमेशा प्रासंगिक रहेगी। गरीब और ज़रूरतमंद लोगों को रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए इला बेन का संघर्ष और आन्दोलन अब भी जारी है। 89 साल की उम्र में भी वे शोषित और पीड़ित लोगों के लिए अपनी ओर से हर मुमकिन कोशिश कर रही थी। नाइंसाफी के खिलाफ जंग करने का उनका ज़ज्बा अब भी बरकरार है। अपने जीवन में जिस तरह के साहस का परिचय उन्होंने दिया है और जिस तरह से उन्होंने इंसाफ के लिए संघर्ष किया है वो दुनिया के सामने हमेशा एक मिसाल बनी रहेगी। इला बेन का जीवन लोगों को रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत ज़रूरतों को पूरा करवाते हुए देश को गरीबी, भुखमरी, बेरोज़गारी, शोषण और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने से जुड़े कार्यों और कार्यक्रमों को समर्पित रहा है। वे देश को गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने के लिए शुरू हुई %आज़ादी की दूसरी लड़ाई% की नायिका भी रही हैं। आधुनिक युग में दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में अपनी ख़ास जगह रखने वालीं इला बेन यानी इला भट्ट का जन्म 7 सितम्बर, 1933 को अहमदाबाद में हुआ। माता-पिता पढ़े-लिखे तो थे ही साथ ही वे प्रभावशाली व्यक्तित्व के मालिक भी थे। परिवार काफी संपन्न था और समाज में उनका खूब आदर-सम्मान था। इला बेन के पिता सुमंतराय भट्ट अपने ज़माने के मशहूर वकील थे। दादा, ताऊ, काका, कजिन भी कानून के बड़े जानकार थे। 'वकीलों का परिवार' के रूप में भट्ट परिवार सूरत शहर में काफी लोकप्रिय था। इला बेन के नाना अहमदाबाद में मशहूर सर्जन थे और सरकारी अस्पताल में लोगों की सेवा करते थे। आज़ादी की लड़ाई में सक्रीय रूप से हिस्सा लेने के मक़सद से उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी। इला बेन के तीनों मामा भी स्वतंत्रता सेनानी थे। पूरे परिवार में देश-प्रेम कूट-कूट कर भरा था। पूरे परिवार पर महात्मा गांधी का काफी प्रभाव था। यह परिवार गाँधीजी के हर कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेता था।

इला ने एक ऐसे परिवार में आँखें खोली थीं, जहाँ शिक्षा के प्रति शुरू से ही जागरूकता थी। इला की माँ वन लीला व्यास शुरू से ही पढ़ाई-लिखाई में तेज़ थीं, लेकिन शादी की वजह से उनकी पढ़ाई रोकनी पड़ी थी। शादी कर जब लीला व्यास अपने ससुराल गयीं तब उनके पति ने पढ़ाई फिर से शुरू करवाई। इला के पिता ने खुद उनकी माँ को पढ़ाया-लिखाया। माँ की पढ़ाई के लिए निजी अध्यापक भी रखा गया था।

इला बेन भला वो दिन कैसे भूल सकती हैं, जब एक ही दिन दो बड़ी उपलब्धियाँ उनके घर में आयी थीं। उन्हें आज भी वो दिन अच्छी तरह से याद है, जब एक ही दिन उनकी और उनकी माँ की परीक्षा के परिणाम आये थे। इला बेन ने बताया, ÷एक दिन ही दिन मेरी दसवीं और मेरी माँ की बीए की परीक्षा का रिजल्ट आया था। अखबार में हम दोनों का नाम छपा था। दसवीं पास करने वाले कई छात्र थे, उनमें मेरा भी नाम था, लेकिन बीए की परीक्षा सिर्फ मेरी माँ ने पास की थी।÷

वो एक ऐसा दौर था, जब सिद्धांतों की लड़ाई परिवार में ज़ोरों पर थी। कुछ बातों को लेकर इला बेन के माता और पिता के घरवालों के ख्यालात मेल नहीं खाते थे। इला बेन के पिता अंग्रेज़ी शिक्षा-पद्धति की पुरज़ोर वकालत किया करते थे,लेकिन उनके नाना 'स्वदेशी' के कट्टर समर्थक थे और उन्हें अंग्रेज़ों से सखूत नफ़रत थी। अंग्रेज़ों के शासन के वे इतना खिलाफ़ थे उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ दी थी और आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े थे। आज़ादी की लड़ाई में इला बेन के नाना ने अपना तन-मन-धन सब कुछ वार दिया था।

इला बेन पर अपने माताङ्कपिता और नाना-दादा के आदर्शों और उनके परिवेश का प्रभाव समान रूप से पड़ा था। इला बेन कहती हैं, ÷मेरे पिता बहुत ही दयालु, धर्मभीरु और सिद्धांतवादी इंसान थे। वे नैतिक मूल्यों के पक्के थे। उन्हें सही-गलत की समझ थी और हमें भी बताते थे कि क्या सही है और क्या ग़लत। वे हमेशा हमसे कहते थे कि हमें सिर्फ अपने बारे में ही नहीं, बल्कि दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए। मेरे पिता ने हमेशा नाइंसाफी के खिलाफ लड़ाई लड़ी।÷ अपनी माँ के बारे में बताते हुए इला बेन ने कहा, ÷मेरी माँ को भी सही-गलत की समझ थी। वे हर चीज़ को आसानी से तोल-मोल लेती थीं। कई सारे गुण थे उनमें। वो भाषण भी बहुत अच्छा देती थीं। वो महिलाओं के कार्यक्रमों में भी खूब हिस्सा लेती थीं। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए भी लड़ाई लड़ी।÷

इला बेन की माँ वन लीला व्यास अपने ज़माने की बड़ी सामाजिक कार्यकर्त्ता थीं और उन्होंने कई महिला आंदोलनों का नेतृत्व किया था। वे आल इंडिया विमेंस कांफ्रेंस की भी नेता थीं। वन लीला अपने घर-परिवार की ज़िम्मेदारियों को निभाते हुए ही महिला आंदोलनों में हिस्सा लेती थीं। इला बेन बताती हैं, ÷हमारे घर में कोई नौकर-चाकर नहीं थे। माँ ही सभी काम करती थीं। घर का सारा काम करने के बाद भी वे बाहर के काम के लिए अपना समय निकाल लेती थीं।÷ माँ के बारे में इला बेन को इसलिए भी बहुत गर्व का अनुभव होता है कि वे सूरत की दूसरी महिलाओं की तरह रूढ़िवादी नहीं थीं और बदलते ज़माने के साथ महिलाओं को भी बदलने का सुझाव देती थीं। वे महिला क्लब भी जाती थीं। ऐसे ही रोशन ख़याल परिवार में इला बेन का पालन-पोषण होने लगा। होश संभाला तो बहुत सारी विशेषताओं की मालिक शख़्सियतें घर में ही मौजूद थीं। इला बेन का बचपन सूरत में बीता। माता-पिता ने उनका दाख़िला सूरत की म्युनिसिपल कन्या पाठशाला में करवाया गया। स्कूल घर के पास ही था और इला बेन अपनी दो बहनों के साथ स्कूल पढ़ने जाती थीं। उनकी स्कूली पढ़ाई गुजराती में ही हुई। एक ऐसे दौर में इला बेन ने स्कूल में क़दम रखा था, जब आज़ादी की जंग अपने पूरे शबाब पर थी। स्कूल के ज़माने की कई सारी घटनाएँ अब भी इला बेन के ज़हन में ताज़ा हैं।

जानलेवा होता डेंगू का डंक

योगेश कुमार गोयल

डेंगू के लगातार बढ़ते मामले स्वास्थ्य विभाग के लिए देश के अनेक हिस्सों में गंभीर चिंता का सबब बन रहे हैं। कई जगहों से डेंगू के कारण लोगों की जान जाने की खबरें भी निरन्तर आ रही हैं। उत्तर प्रदेश हो या उत्तराखण्ड, पंजाब हो या हरियाणा, दिल्ली हो या राजस्थान, बिहार हो या झारखण्ड, हर राज्य में डेंगू का डंक कहर बरपा रहा है। अस्पतालों में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ने से सोशल मीडिया पर प्लेटलेट्स की मांग वाले संदेशों की संख्या काफी बढ़ गई है। दरअसल डेंगू होने पर मरीज की प्लेटलेट्स काफी कम हो जाती है और प्लेटलेट्स बहुत ज्यादा कम होने पर मरीज की जान को खतरा हो सकता है। दिल्ली में तो डेंगू के मरीजों की संख्या पिछले साल के मुकाबले सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है। दिल्ली नगर निगम के मुताबिक दिल्ली में सितंबर महीने में डेंगू के 693 दर्ज किए गए जबकि अक्तूबर महीने में एक हजार से भी मामले सामने आए हैं, जो 2017 के बाद सर्वाधिक हैं। दिल्ली में अब तक डेंगू के 2200 से भी ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं और साथ ही मलेरिया के मामले भी बढ़ रहे हैं। कमोवेश देश के कई अन्य इलाकों का भी यही हाल है। डेंगू का प्रकोप पहले के मुकाबले और भी भयावह इसलिए होता जा रहा है क्योंकि अब डेंगू के कई ऐसे मरीज भी देखे जाने लगे हैं, जिनमें डेंगू के अलावा मलेरिया के भी लक्षण होते हैं और दोनों बीमारियों के एक साथ धावा बोलने से कुछ मामलों में स्थिति काफी खतरनाक हो जाती है। अब हर साल इसी प्रकार डेंगू का कहर देखा जाने लगा है, हजारों लोग डेंगू से पीड़ित होकर अस्पतालों में भर्ती होते हैं, जिनमें से सैंकड़ों लोग डेंगू के शिकार होकर मौत के मुंह में समा जाते हैं। प्रतिवर्ष मानसून के बाद देशभर में डेंगू के कई हजार मामले सामने आते हैं। डेंगू की दस्तक के बाद डॉक्टरों व प्रशासन द्वारा आम जनता को कुछ हिदायतें दी जाती हैं लेकिन डॉक्टर व प्रशासन इस मामले में खुद कितने लापरवाह रहे हैं, इसका उदाहरण डेंगू फैलने के बाद भी कमोवेश सभी राज्यों में जगह-जगह पर फैले कचरे और गंदगी के ढ़ेर तथा विभिन्न अस्पतालों में सही तरीके से साफ-सफाई न होने और अस्पतालों में भी मच्छरों का प्रकोप हर साल देखकर स्पष्ट रूप से मिलता रहा है। प्रशासनिक लापरवाही का आलम यही रहता है कि ऐसी कोई बीमारी फैलने के बाद एक-दूसरे पर दोषारोपण कर जिम्मेदारी से बचने की होड़ दिखाई देती है। वैसे डेंगू की दस्तक तो हर साल सुनाई पड़ती है किन्तु हर तीन-चार वर्ष के अंतराल पर डेंगू एक महामारी के रूप में उभरकर सामने आता है और तभी हमारी सरकारें तथा स्थानीय प्रशासन कुम्भकर्णी नींद से जागते हैं।

डेंगू बुखार एक वायरल संक्रमण है, जो हमारे घरों के आसपास खड़े पानी में ही पनपने वाले ऐडीस मच्छर के काटने से होता है। यह काले रंग का स्पॉटेड मच्छर होता है, जो प्रायः दिन में ही काटता है। डेंगू का वायरस शरीर में प्रविष्ट होने के बाद सीधे शरीर के प्रतिरोधी तंत्र पर हमला करता है। इस मच्छर का सफाया करके ही इस बीमारी से पूरी तरह से बचा जा सकता है। प्रायः मानसून के बाद ही डेंगू के ज्यादा मामले देखने को मिलते हैं। डेंगू प्रायः दो से पांच दिनों के भीतर गंभीर रूप धारण कर लेता है। ऐसी स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो सकता है और रोगी समझने लगता है कि वह ठीक हो गया है लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है बल्कि यह स्थिति और भी खतरनाक होती है। अतः बेहद जरूरी है कि आपको पता हो कि डेंगू बुखार होने पर शरीर में क्या प्रमुख लक्षण उभरते हैं। डेंगू के अधिकांश लक्षण मलेरिया से मिलते-जुलते होते हैं लेकिन कुछ लक्षण अलग भी होते हैं। तेज बुखार, गले में खराश, ठंड लगना, बहुत तेज सिरदर्द, थकावट, कमर व आंखों की पुतलियों में दर्द, मसूडों, नाक, गुदा व मूत्र नलिका से खून आना, मितली व उल्टी आना, मांसपेशियों व जोड़ों में असहनीय दर्द, हीमोग्लोबिन के स्तर में वृद्धि, शरीर पर लाल चकते (खासकर छाती पर लाल-लाल दाने उभर आना), रक्त प्लेटलेट (बिम्बाणुओं) की संख्या में भारी गिरावट इत्यादि डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं। बीमारी कोई भी हो, उसके उपचार से बेहतर उससे बचाव ही होता है और डेंगू के मामले में तो बचाव ही सबसे बड़ा हथियार माना गया है। आपके घर या आसपास के क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप न हो, इसके लिए जरूरी है कि मच्छरों के उन्मूलन का विशेष प्रयास हो।

प्रजातंत्र के चौथे स्तंभ की स्वतंत्रता यक्ष प्रश्न

सूडोकु नवताल- 6237

★★★✯✩ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6236 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

विजय कुमार जैन

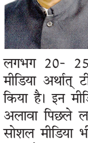

पत्रकारिता या मीडिया को प्रजातांत्रिक शासन प्रणाली में चौथा स्तंभ माना गया है। प्रजातंत्र में संवैधानिक व्यवस्था में तीन स्तंभ होते है विधायिका कार्यपालिका और न्याय पालिका। इन तीन स्तंभों से भी बढकर चौथा स्तंभ निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता को माना गया है। निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता जिसे हम गर्व से प्रजातंत्र का चौथा स्तभं कहकर सम्मान करते है। उस चौथे स्तंभ को आज किस स्थिति से गुजरना पड़ रहा है, किन किन गंभीर चुनौतियों से गुजरना पड़ रहा है यह हमारे चिंतन का विषय है।

देश 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की सदियों की गुलामों की जंजीरों से आजाद हुआ। 26 जनवरी 1950 को संविधान के अनुरूप लोक तांत्रिक शासन प्रणाली को लागू किया गया। उस समय देश के कर्णधारों ने जोर शोर से कहा प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ निष्पक्ष पत्रकारिता है जो समय समय पर अपनी कलम से अन्याय और अत्याचार को उजागर करेगा। जब देश आजाद हुआ पत्रकारिता का एक मात्र माध्यम समाचार पत्र थे। समाचार पत्रों का प्रकाशन देश के नामी औद्योगिक घरानों ने कर सबसे पहले निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता का गला घौंटा। समाचार पत्र के मालिक के ही अनुरूप चलना संपादक एवं पत्रकार की मजबूरी है। जो पत्रकार जिस समाचार पत्र के लिये काम करता है वह अखबार मालिक की इच्छा के विरूद्ध अपनी लेखनी नही चला सकता। अगर इच्छा के विरुध्द कभी लिख दिया तो उस पत्रकार की उसी दिन छुट्टी कर दी जाती है। आज मीडिया के तीन माध्यम है। सबसे पहले समाचार पत्र ही एक मात्र माध्यम था। पिछले लगभग 20- 25 वर्ष से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अर्थात् टी वी चेनलों ने प्रवेश किया है। इन मीडिया के दो माध्यम के अलावा पिछले लगभग 8 -10 वर्ष से सोशल मीडिया भी जोर शोर से सक्रिय हुआ है। आज हम देखते है देश की आजादी के 75 वर्ष बाद भी देश में स्वतंत्र एवम् निष्पक्ष पत्रकारिता का गला घोंटा जा रहा है। जिसे हम प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ कहते है वह भारतीय मीडिया आज उधोगपतियों एवम् बड़े बड़े अखबार मालिकों के यहाँ गिरबी रखा है। मालिक की इच्छा अनुरूप पत्रकार को अपनी लेखनी चलानी पड़ती है। जब पत्रकार अपनी कलम को स्वतंत्र रूप से नही चला सकता तो यह कहना वेमानी है कि भारतीय मीडिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है। अखबार में काम कर रहे पत्रकार को कदम कदम पर यह भय रहता है कि कब मालिक नाराज हो जाये और घर का रास्ता दिखा दे। हमारे म. प्र. में मात्र दो या तीन समाचार पत्र होंगे जिन्होंने अपने यहाँ काम करने बाले पत्रकारों को वेतनमान से वेतन एवं सुविधाएं देना प्रारंभ किया है। एक कलम के धनी पत्रकार जिसने जीवन भर निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता से अपना नाम एवं पहचान बनायी, उस पत्रकार के इस दुनिया से बिदा लेने पर उसके परिवार की स्थिति दयनीय हो जाती है। म.प्र. में 60 वर्ष से अधिक आयु के पत्रकारों को दस हजार रुपये मासिक सम्मान निधि दी जाती है, मगर पत्रकार के स्वर्गवास के बाद यह सम्मान निधि बंद हो जाती है। फिर पत्नी एवं बच्चों का ध्यान रखने कोई सुविधा नहीं है। देश के नेता एवं अधिकारी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता में सबसे बड़ी बाधा है। अपने स्वार्थों की रक्षा के लिये ये पत्रकारों का अपने अनुसार उपयोग कर रहे है। जिला स्तर पर अधिकारी गण पत्रकारों में फूट डालकर दो गुट करा देते है। निडर एवं निष्पक्ष रिपोर्टिंग करने बाले पत्रकारों को तरह तरह से प्रताड़ित किया जाता है।उन्हे धमकियाँ दी जाती है गुण्डों से पिटवाया जाता है। वकील के माध्यम से मोटी राशि का मानहानि नोटिस भेजा जाता है। पत्रकारों पर ब्लैक मेलिंग के गंभीर आरोप लगाकर उनका चरित्र हनन किया जाता है। हम यह नही कह रहे कि सभी पत्रकार या मीडिया से जुड़े व्यक्ति राजा हरिश्चंद के वंशज है। हम मानते है कि इस जाति में भी कुछ पथ भृष्ट तत्व हो सकते है मगर उन पथ भृष्ट गिने चुने लोगों से पूरे समाचार जगत को एक ही चश्मे से देखना अन्याय होगा। यह भी सर्वमान्य सत्य है मीडिया से जुड़े हमारे साथियों को पथ भृष्ट करने में राजनेताओं और अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। टी व्ही चेनलों ने मीडिया को पथभ्रष्ट बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। आम पाठकों की आज भी यह ही मानसिकता है चाहे समाचार एक दिन पहले दिन भर टी व्ही चेनलों पर चलता रहे।

औरत-मर्दः बाहरी एकरूपता

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपने मुखपृष्ठ पर एक खबर छापी है कि अमेरिका में कई आदमी अब औरतों का वेश धारण करने लगे हैं और औरतें तो पहले से ही वहां आदमियों की वेशभूषा पहनते रही हैं। उनका कहना है कि कपड़ों में भी औरत-मर्द का भेद क्या करना? वह जमाना लद गया जब औरतों के लिए खास तरह की वेशभूषा, जेवर और जूते-चप्पल पहनना अनिवार्य हुआ करता था। उन्हें घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होती थी। घूंघट और बुर्का लादना आवश्यक माना जाता था। हमारे संस्कृत नाटकों को देखें तो कालिदास और भवभूति जैसे महान लेखकों की रचनाओं में उनकी महिला पात्राएं संस्कृत में नहीं, प्राकृत में संवाद करती थीं। महिलाओं को पुरुषों के समान न हवन करने का अधिकार था और न ही जनेऊ धारण करने का! वेदपाठ करना तो उनके लिए असंभव ही था। आर्यसमाज के प्रवर्तक महर्षि दयानंद सरस्वती की कृपा से भारतीय स्त्रियों को इन बंधनों से मुक्ति मिली लेकिन यूरोपीय इतिहास की लगभग एक हजार साल की अवधि को वहाँ अंधकार-युग कहा जाता है। उस युग में पोप लीला के कारण औरतों पर अत्याचार की हद हो रखी थी लेकिन अब इसी ईसाई यूरोप और अमेरिका में आधुनिकता की ऐसी लहर चली है कि आदमी लोग औरतों की तरह लंबे-लंबे बाल रखने लगे हैं, स्कर्ट ब्लाउज पहनने लगे हैं और उनके पारंपरिक जेवर भी अपने शरीर पर सजाने लगे हैं। इसे वे लिंग-भेद का निराकरण कहते हैं लेकिन वास्तव में औरत-औरत होती है और आदमी-आदमी। हमारे यहां तो भाषा और व्याकरण में भी वह भेद प्रतिबिंबित होता है। उसे सिर्फ वेशभूषा बदलने से नहीं मिटाया जा सकता है। कई देशों में उनके पुरुष भी अपना अधोवस्त्र स्त्रियों-जैसा ही सदियों से पहनते आ रहे हैं। जब पहली बार अपने राष्ट्पति भवन में भूटान नरेश से लगभग 30 साल पहले मेरी भेंट हुई तो मैं उन्हें स्कर्ट-जैसा अधोवस्त्र पहने देखकर दंग रह गया। पचास साल पहले जब मैं लंदन में पढ़ता था तो मुझे स्कॉटलैंड के छात्रों को देखकर भ्रम हो जाया करता था, क्योंकि उनमें से कुछ स्कर्ट पहने रहते थे। दुनिया के दर्जनों देश हैं, जिनमें लोगों की वेशभूषा अपने तरह की अनूठी होती है। इसीलिए यदि अब अमेरिका की कुछ नामी-गिरामी कंपनियां ऐसी वेशभूषा बनाने लगी हैं, जो अब तक स्त्रियों की मानी जाती थीं, लेकिन अब उन्हें पुरुष भी पहनने लगे हैं तो इसमें बुराई क्या है? यह नर-नारी समता का नया युग शुरु हो रहा है। इसे हम ऊपरी या बाहरी एकरुपता कहें तो बेहतर होगा।

जनअभियान परिषद की कार्यशाला का हुआ आयोजन, नशा समाज के लिए अभिशाप, जैविक खेती के लिए करें प्रेरित - उमाकान्त शर्मा

म.प्र.जन अभियान परिषद द्वारा श्रीकृष्ण गौशाला परिसर में नशा मुक्ति और जैविक खेती विषय को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, कार्यशाला का शुभारम्भ सुबह 10 बजे जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक पूजा

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। बधेया ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन माल्यार्पण से किया, प्रथम सत्र में कृषि विस्तार अधिकारी ललित मुकाती ने बताया की जैविक खेती में रासायनिक खादों का प्रयोग नहीं किया जाता, इसमें गोबर की खाद का प्रयोग किया जाता है वहीं उन्होंने गोबर से खाद बनाने के तरीके बताएं एवं बीज उपचार की विधियों से भी अवगत कराया, एवम् रासायनिक खाद के अंश फसलों में आने भोजन में शामिल हो जाने की जानकारी देते हुए कहा यह मानव के स्वास्थ्य लिए घातक है जिससे कैंसर जैसी कई बीमारियों से लोग जूझ रहे हैं वहीं उन्होंने बताया भूमि की उर्वरता बनाए रखने और हमारे स्वास्थ्य लिए जैविक खेती पर आना ही पड़ेगा, कीट पतंगों एवं इल्ली के नियंत्रण की विधियां बताते हुए कहा इससे कृषि उपज पर भी प्रभाव नहीं पड़ता, दूसरी तरफ रासायनिक खाद की वजह से खेती पर लागत बढ़ती जा रही है जैविक खेती के अपनाने से इस परेशानी से बचा जा सकता है वहीं उन्होंने जैविक खेती के प्रति उत्साहवर्धन करने के साथ शासन द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा दी जाने वाली योजनाओं का लाभ लेकर जैविक खेती प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया, वहीं द्वितीय सत्र में जिला समन्वयक पूजा बधेया ने नशा न करने और लोगों को नशा मुक्त करने के लिए प्रेरित करने की बात कही, वहीं उन्होंने नशा और रासायनिक खादों से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से अवगत कराते हुए नशा न करने और जैविक खेती करने पर बल दिया, इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं और किसानों से प्रश्न उत्तर के माध्यम से उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। वही दिनेशचंद्र अग्रवाल आध्यात्मिक ने संबोधित करते हुए कहा नशा सेवन करने वाले व्यक्ति को ही प्रभावित नहीं करता, वो नशेड़ी के परिवार समाज, राष्ट्र को भी प्रभावित करता है उन्होंने लोगों को नशा करना करने की हिदायत देते हुए कहा ऐसा कोई काम नहीं है जो व्यक्ति नहीं कर सकता, बस अंतर्मन में नशा छोड़ने के लिए दृढ़ संकल्प लेने की जरूरत है, वही नवांकुर अध्यक्ष अंकित पाठक ने कहा कि विद्यार्थी कोरे कागज की तरह होते हैं उन्हें जैसा गढ़ा जाए उनका स्वरूप वैसा ही निर्मित हो जाता है उसी के अनुरूप उनका व्यक्तित्व भी विकसित होता है जिसकी छवि जीवन पर्यंत दिखाई पड़ती है जन अभियान परिषद में छात्रों को भारतीय संस्कृति समाज सेवा और राष्टीयता के भावों के अनुरूप गढा जा रहा है यह विद्यार्थी सकारात्मक विचारों के साथ देश, समाज, गांव में कार्य करेंगे तो निश्चित ही देश के संसाधन होनहार नागरिक के रूप में यह सामने आएंगे। इसके बाद तीसरे सत्र में कार्यशाला में पधारे क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने भारत माता एवं स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण किया, जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगीने श्री शर्मा को पुष्प गुच्छ।

खनिज साधन मंत्री के विशेष प्रयासों से अजयगढ़ में लगेगा दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

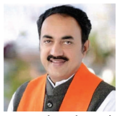

पुष्पांजलि टुडे हरिचरण प्रजापति

पन्ना- खनिज साधन एवं श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह के विशेष प्रयासों से अजयगढ़ में दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। अजयगढ़ के नवीन शासकीय महाविद्यालय परिसर में 5 एवं 6 नवम्बर को शिविर लगेगा। आम नागरिक अधिकाधिक संख्या में शिविर में शामिल होकर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चिरायु मेडिकल कॉलेज भोपाल के चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ की टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर में बीमार व्यक्तियों का निःशुल्क परामर्श, जांच व उपचार किया जाएगा। साथ ही आवश्यक सलाह प्रदान कर दवा भी निःशुल्क वितरित की जाएगी। गंभीर पीड़ित व्यक्तियों का भोपाल में निःशुल्क उपचार किया जाएगा। इस दौरान मरीज को एक सहायक के साथ भोजन, ठहरने और घर से अस्पताल व वापसी तक आवागमन की निःशुल्क व्यवस्था भी की जाएगी।

जनपद सदस्य अतीक मंसूरी बने विधानसभा प्रभारी

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज आगामी विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारी को लेकर चलाए जा रहे यूथ जोड़ोट्ठबूथ जोड़ों अभियान के तहत मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा क्षेत्र के युवा नेता जनपद सदस्य प्रतिनिधि अतीक मंसूरी को विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया गया है, वही अतीक मंसूरी ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने के लिए शीर्ष नेतृत्व एवं मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस का आभार व्यक्त किया है।

धूमधाम से मनाई गई भगवान नामदेव जयंती

शहर में नामदेव समाज द्वारा निकाली गई शोभायात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज - नामदेव समाज ने शुक्रवार को नामदेव समाज युवा जागृत मंडल के तत्वधान में बड़े हर्षोल्लास के साथ नामदेव महाराज की जयंती मनाई। समाज ने शहर में विशाल और भव्य शोभायात्रा निकाली जिसमें समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। शोभा यात्रा का शुभारंभ नगर के नयापुरा से किया गया। इसकी अगवानी बैंड-बाजे सहित अन्य विभिन्न बाजयंत्रों से की जा रही थी। चल समारोह में सजाई गई सजीव झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। शहरवासियों ने भगवान की जगह-जगह आरती कर शोभायात्रा का स्वागत किया। यह शोभायात्रा नगर के कस्टम पथ, विद्यार्थी पथ, कठाली बाजार, सराफा बाजार, कपड़ा बाजार से होते हुए भूतेश्वर पथ पर स्थित नामदेव समाज मंदिर परिसर पहुंचकर चल समारोह का समापन किया गया। इस दौरान नगरवासियों ने शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षाकर भव्य स्वागत किया।

टाउन हॉल में मनाया गया रोजगार दिवस

एक जिला-एक उत्पाद कार्यक्रम का भी आयोजन

सतेंद्र प्रजापति पुष्पांजलली टुडे

पन्ना- मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस एक सप्ताह तक मध्यप्रदेश उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस क्रम में साप्ताहिक कार्यक्रम की श्रृंखला में शुक्रवार को स्थानीय टाउन हॉल में रोजगार दिवस तथा एक जिला-एक उत्पाद दिवस का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में पीथमपुर जिला धार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान के संबोधन को उपस्थितजनों द्वारा देखा और सुना गया।

जिला पंचायत सीईओ श्री संघ प्रिय ने कहा कि शासन की मंशानुसार युवाओं को स्वरोजगार के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराया गया है। युवाओं को जागरूक होकर अधिकाधिक संख्या में इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से उद्योग स्थापना के लिए बैंक के माध्यम से ऋण प्राप्त कर लाभ लेने की अपील की। साथ ही योजनाओं के बारे में स्थानीय लोगों भी अवगत कराने के लिए कहा।

कार्यक्रम के अवसर पर विभिन्न योजनाओं के तहत कृषकों का चयन कर डीपीआर तैयार कराया गया। इसके साथ ही हितग्राहीमूलक स्वरोजगार योजनाओं के ऋण स्वीकृति, वितरण और रोजगार मेलों में चयनित लोगों को नियुक्ति पत्र का वितरण भी किया गया। आवश्यक जानकारी और प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर सहायक संचालक उद्यान पी.के. श्रीवास्तव, महाप्रबंधक उद्योग राहुल दुबे सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और लाभार्थी हितग्राही उपस्थित थे।

नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस में दिए निर्देश

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा पुष्पांजली टुडे

पन्ना- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने आगामी 9 नवम्बर से प्रारंभ होने वाले फोटो निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य के संबंध में शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चर्चा की। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी व्ही.सी. कक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय कुमार मिश्र एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जे.पी. धुर्वे उपस्थित रहे। व्ही.सी. में पुनरीक्षण कार्य के दौरान मतदान केन्द्रों पर बीएलओ की उपस्थिति की मॉनीटरिंग सुनिश्चित करने, एपिक कार्ड में रंगीन फोटो चस्पा करने संबंधी कार्य की प्रगति और गरूण एप पर एंट्री सहित अन्य आवश्यक कार्यवाहियों के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही कार्य से संबंधित वांछित कार्यवाही समय सीमा में पूर्ण कराने के लिए कहा। बीएलए के माध्यम से त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने, स्वीप गतिविधियों के संचालन, शैक्षणिक संस्थाओं में निर्वाचन दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के संबंध में भी निर्देश दिए गए। बताया गया कि 9 नवम्बर को प्रारूप-5 में निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन किया जाएगा। इसके पश्चात 8 दिसम्बर तक दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। आगामी 12 एवं 13 नवम्बर तथा 5 एवं 6 दिसम्बर को मतदान केन्द्रों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे।

बड़वारा में मनाई गई संत नामदेव जयंती

देवेन्द्रनगर तहसील अंतर्गत ग्राम बड़वारा में प्रतिवर्ष की इस वर्ष भी नामदेव समाज के बंधुओं द्वारा नामदेव मंदिर में श्री श्री 108 संत श्री नामदेव महाराज की 752वीं जयंती बड़े ही हर्ष उल्लास, धूम-धाम के साथ मनाई गई। जिसमें प्रातः प्रभात फेरी के साथ जयंती का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात नामदेव मंदिर को आम के पत्तो, रंगीन लड़ियों, रंगोलियों के माध्यम से बड़े ही सुंदर तरीके से सजाया गया। आचार्य श्री गोपाल दत्त द्विवेदी के द्वारा संत नामदेव जी महाराज का पूजन विधि - विधान के साथ कराया गया पूजा अर्चना,

हवन, आरती के बाद भोग प्रसाद के साथ कार्यक्रम किया गया। राकेश नामदेव द्वारा संत नामदेव के जीवन पर प्रकाशित चरित्रावली पर प्रकाश डाला गया। रात्रि में भजनों के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से नारायण दास नामदेव,चंदू लाल नामदेव,सुहावन नामदेव,दशरथ नामदेव,जगत राज नामदेव,चंद्रिका नामदेव,भोला नामदेव,रज्जन भाई नामदेव,राजेश नामदेव, प्रेमलाल नामदेव, उत्तम नामदेव, शेरा नामदेव, संतोष नामदेव, सचिन नामदेव, अरविंद नामदेव,पप्पू नामदेव, सरद नामदेव, राम खिलावन नामदेव, दुर्गा प्रसाद नामदेव,भागवत नामदेव, सतेन्द्र नामदेव ,राकेश (जीनियस) नामदेव,राजेश नामदेव, अजित नामदेव,रामलगन नामदेव, कंधीलाल नामदेव, नरेंद्र नामदेव, अशोक नामदेव डॉ.उमेश नामदेव एवं श्रीकांत नामदेव के साथ ही समाज की महिलाओं, बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

शाहनगर में नसबंदी शिविर आज

पन्ना - परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर में 5 नवम्बर को महिला-पुरुष नसबंदी शिविर का आयोजन किया जाएगा। परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. जी.पी. आर्या ने बताया गया कि इस वर्ष निश्चित सेवा दिवस के तहत एफआरएचएस इंडिया, टीम जयपुर के द्वारा नसबंदी ऑपरेशन किए जाएंगे, जिसमें सर्जन एवं उनकी टीम के द्वारा गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान की जाएंगी। साथ ही टीम के सदस्यों द्वारा ऑपरेशन उपरांत प्रत्येक हितग्राही से दूरभाष पर संपर्क करके उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली जाएगी। प्रत्येक शिविर में अधिकतम 30 नसबंदी का लक्ष्य रखा गया है। नसबंदी ऑपरेशन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किए जाएंगे।

छतरपुर-हत्या के शक के आधार पर पूछताछ करने ले गए दो लड़कों के साथ बिजावर पुलिस पर लगे मारपीट के आरोप

खाट पर रखकर घायलों को परिजन लेकर पहुंचे पुलिस अधीक्षक कार्यालय न्याय की गुहार लगाते

गौरीशंकर कुशवाहा पुष्पांजली टुडे

बिजावर पुलिस पर लगे मारपीट के आरोप, घायलो को खाट पर लेकर पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाते पहुंचे परिजन, विगत 3 माह पूर्व बमीठा थाना के ओटापुरवा में कुआ में मिली थी लड़की की लाश पर मौत के सन्देह के चलते, 302 का मुकदमा दर्ज किया गया था जिस पर आरोपी को गिरफ्तार कर पहुंचा दिया गया था जेल, इसके बाद पूछताछ के लिए बिजावर थाना पुलिस ली गई अन्य व्यक्तियों को जहाँ पर बेरहमी से मारपीट की गई, परिजनों का आरोप है कि पूछताछ के लिए पुलिस ले गई थी, लेकिन पूछताछ के चलते इन लोगों के साथ बेरहमी से मारपीट की गई,घायलो को खाट पर लेकर पहुँचे परिजनों छतरपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर लगाई न्याय की गुहार

मुख्यमंत्री ने पूर्व मंत्री रूस्तम सिंह की नातिन श्रद्धा के विवाह में पहुंचकर दिया आर्शीवाद

मुरैना। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को अल्प प्रवास पर मुरैना जिले के बानमौर पहुंचे। यहां से वे पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह के बुद्धिपुरा स्थित निवास पर पहुंचे। जहां पर उन्होंने उनकी नातिन एवं श्री राकेश सिंह की पुत्री श्रद्धा के विवाह पर हार्दिक शुभकामनायें एवं आर्शीवाद दिया। उन्होंने कहा कि आज बेटी श्रद्धा का लग्न हो रहा है। वह हमसे अधिक दूर नहीं है, आगरा में बेटी का नया घर स्वागत करेगा। उन्होंने नवदम्पति को कोटि-कोटि बधाई दी। विदित है कि पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह की नातिन एवं उनके के पुत्र राकेश सिंह की पुत्री श्रद्धा का शुभ विवाह उत्तरप्रदेश के भारतीय प्रशासनिक सेवा के परीक्षित सिंह के साथ होने जा रहा है। इस अवसर पर सबसे पहले पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने बानमौर पहुंचकर रुस्तम सिंह व परिजनों को हार्दिक शुभकामनाऐं दीं। इसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बीडी शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित ग्वालियर-चम्बल संभाग के अनेक राजनैतिक लोग उपस्थित हुये। सभी ने सम्पूर्ण परिवार को हार्दिक बधाई दीं। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार के खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं मुरैना जिले के प्रभारी मंत्री भारत सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री

प्रद्युम्न सिंह तोमर, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम अध्यक्ष रघुराज सिंह कंषाना, ऊर्जा विकास निगम अध्यक्ष गिर्राज डण्डौतिया, लघु उद्योग विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती इमरती देवी, कौलारस विधायक वीरेन्द्र रघुवंशी, अम्बाह विधायक कमलेश जाटव अम्बाह, छत्तीसगढ के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक एमडब्ल्यू अंसारी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजेश चावला, चम्बल कमिश्नर दीपक सिंह, ग्वालियर आईजी डी श्रीनिवास शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, कर्मचारी व पत्रकारगण शामिल हुये।

रोजगार दिवस कार्यक्रम में स्वरोजगार स्थापित करने हेतु हितग्राहियों को प्रदान किए स्वीकृति पत्र

शिवपुरी- मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस के तहत 1 से 7 नवम्बर तक विभिन्न विभागों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभाकक्ष में रोजगार दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को स्वरोजगार योजनाओं में प्रकरण स्वीकृत कर स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम में एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत शिवपुरी के उत्पाद बदरवास जैकेट को प्रमुखता प्रदान करते हुए विविध गतिविधियां आयोजित की गई। मानस भवन शिवपुरी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के लाइव प्रसारण को सभी ने देखा और सुना। इस अवसर पर राज्यमंत्री दर्जा श्री प्रहलाद भारती, राज्यमंत्री दर्जा श्री नरेन्द्र बिरथरे, जिलाध्यक्ष श्री राजू बाथम, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा, सांसद प्रतिनिधि श्री हेमंत ओझा, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती सीमा शिवहरे, श्री हरवीर रघुवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिला अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

राज्यमंत्री दर्जा श्री प्रहलाद भारती ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार स्वयं का रोजगार स्थापित किए जाने हेतु युवाओं को ऋण प्रदान करके प्रदेश को सशक्त बनाने का कार्य कर रही है। युवा स्वयं का रोजगार स्थापित करेगा और फिर उसे और विकसित करके अन्य लोगों को भी रोजगार देगा और संपूर्ण प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सर्वाधिक युवा है। युवा उद्योग जगत में स्वयं का रोजगार स्थापित करेगा, तो वह अपने यहां और लोगों को भी नौकरी दे सकता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि हम रोजगार लेने वाले न बने बल्कि रोजगार देने वाले बनें।

राज्यमंत्री दर्जा श्री नरेंद्र बिरथरे ने कहा कि तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के नेतृत्व में संपूर्ण प्रदेश में रोजगार के बेहतर कार्य किए जा रहा है। मध्यप्रदेश में ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार पैदा हो, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा योजनाएं संचालित की गई है। इन योजनाओं के माध्यम से युवा ऋण प्राप्त कर स्वयं का रोजगार स्थापित कर रहे है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के तहत शिवपुरी जिले में एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत बदरवास जैकेट का चयन किया गया है। शिवपुरी के बदरवास क्षेत्र में जैकेट निर्माण का कार्य लगभग 35 वर्ष पहले स्थानीय कारीगरों द्वारा शुरू किया गया था। जैकेट की गुणवत्ता अच्छी होने एवं कीमत कम होने के कारण यह क्षेत्र में बहुत जल्दी लोकप्रिय हो गई। मांग को देखते हुए स्थानीय व्यापारियों द्वारा व्यापक स्तर पर उत्पादन किया जाने लगा, जिससे धीरे-धीरे विपणन का क्षेत्र बढ़ता गया। जिलाध्यक्ष श्री राजू बाथम ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रही है। इसके लिए उन्होने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के तहत फ्रूट ठेला के लिए मान सिंह को 10 हजार रुपए, सब्जी कार्य के लिए भूपेंद्र बाथम एवं कैलाश कुशवाह को 10-10 हजार रुपए, कन्फेक्शनरी के लिए राकेश जैन को 50 हजार रुपए, चाय की दुकान के लिए लालराम शिवहरे को 50 हजार रुपए, हेयर कटिंग कार्य के लिए आकाश सेन को 10 हजार रुपए, सब्जी कार्य के लिए ममता यादव, संतोष परिहार एवं मोहन खटीक को 20-20 हजार रुपए, पान मसाला स्टॉल के लिए राजकुमार सिंह यादव को 20 हजार रुपए, पेठा विक्रय के लिए घनश्याम राठौर को 50 हजार रूपए एवं फ्रूट ठेला के लिए संतोष शर्मा को 20 हजार रुपए से लाभांवित किया गया। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत डिस्पोजल दोना पत्तल निर्माण कार्य के लिए मोहन राठौर को 2 लाख रुपए, रेडीमेड वस्त्र निर्माण के लिए रिन्कू वर्मा को 7 लाख रुपए, सेटिंग कार्य के लिए 10 लाख रुपए, होटल रेस्टोरेंट के लिए चन्द्रशेखर सोनी को 20 लाख रूपए एवं स्टील फेब्रिकेशन वर्क के लिए संजय ओझा को 7.50 लाख रुपए प्रदान किए गए है।

महासभा के प्रधान कार्यालय पर राज्य मंत्री कुशवाह का स्वागत

भिंड- उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारतसिंह कुशवाह जन चौपाल कार्यक्रम में भाग लेने पहुँचे इन दौरान एक्टिव युवा कुशवाह महासभा के प्रधान कार्यालय पर उनका स्वागत किया गया 7 इस दौरान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह कुशवाह, कार्यकारी अध्यक्ष कमल कुशवाह,उपाध्यक्ष डीएस कुशवाह, प्रदेश महासचिव डॉं. अरविंद सिंह कुशवाह, ब्लाक अध्यक्ष आशीष कुशवाह एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी रूपेन्द्र कुशवाह (मनेपुरा) सहित महासभा के कई पदाधिकारी मौजूद रहें 7

मधुसुदनगढ़ में लगा दिव्यांग शिविर, लोगों की रही काफी भीड़

रिपोर्टर-प्रतिश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

मधुसुदनगढ़ स्वास्थ केंद्र में विकलांग शिविर लगाया गया,जिसका प्रचार भी नगर परिषद द्वारा सभी नगर के वार्डो में और मधुसुदनगढ़ तहसील क्षेत्र में कराया गया था।आलम यह रहा कि विकलांग शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे जिन विकलांगो के कार्ड पुराने हो गए थे,उनके दोबारा कार्ड बनाए जायेंगे साथ ही नए कार्ड भी विकलांगो बनाए जायेंगे। जिनके जरिए विकलांग शासन की योजनाओं का लाभ ले सकेंगे जबकि विकलांग शिविर में बाहर से आए डॉक्टरों द्वारा विकलांगो की जांच भी की गई।

विधिक साक्षरता दल ने गांव गांव जाकर दी कानूनी जानकारी

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी एडीआर भवन से नागरिकों को विधिक रूप से जागरूक करने हेतु प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दीपक गुप्ता द्वारा आज शुक्रवार को गठित साक्षरता दल को सुभाषपुरा, करोतरा, नयागांव, हिम्मतगढ़, टेटरा, सेवड़ा, धोलागढ़ एवं मुड़खेड़ा के नागरिकों को विधिक साक्षर करने हेतु निकला। यात्रा के प्रारंभ में विधि छात्र छात्राओं एवं पैरा लीगल वालंटियर को विधिक जागरूकता हेतु आयोजित किए जाने वाले विशेष अभियान के संबंध में श्रीमती अर्चना सिंह, जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने विधिक जानकारी दी। तत्पश्चात विधिक साक्षरता दल में नियुक्त विधि छात्रा राखी टैगोर, नीतू जाटव, रिचा नामदेव, राजवीर पिपल, पवन लोधी एवं पैरालीगल वालंटियर श्री मिथुन विनायक ने ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों को समझोता समाधान न्याय आपके द्वार, मध्यस्थ योजना, लोक अदालत योजना एवं पुलिस द्वारा विधिक जानकारी के साथ-साथ रिमांड स्टेज से लेकर मजिस्ट्रेट न्यायालय, सेशन न्यायालय एवं उच्च न्यायालय स्तर पर दी जाने वाली विधिक सहायता आदि के संबंध में जानकारी दी। साथ ही न्याय प्रदान करने की परंपरागत प्रक्रिया के अतिरिक्त विवादों के वैकल्पिक समाधान हेतु संचालित योजनाओं से पक्षकारों को होने वाले लाभ के बारे में बताया। साथ ही हक हमारा भी तो है अभियान के तहत सर्किल जेल शिवपुरी में विजिटिंग लायर श्री दिलीप दीक्षित एवं पैरा लीगल वालंटियर श्री कृष्ण कुमार भदौरिया ने जेल लीगल एड क्लीनिक में उपस्थित होकर विचाराधीन एवं सजायाफ्ता बंदियों से संपर्क कर लगभग 36 बंदियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा निर्धारित प्रोफार्मा में इंफॉर्मेशन कार्ड एवं प्रश्नावली तैयार की।

नगर परिषद रन्नौद में आज जय मांआइसक्रीम फैक्ट्री

संवादाता हरिओम परिहार पुष्पांजली टुडे

परिवार की ओर से आजखाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समाजसेवी हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा खाटू नरेश का आज जन्म महा उत्सव मनाया गया अमन भैया द्वारा खाटू श्याम की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उनके द्वारा केक काटा गया। बा खीर का भोग लगाया और फूल बंगला एवं छप्पन भोग का आयोजन किया। सभी मित्र मंडल अपने भजनों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्याम प्रेमियों ने झूमकर व नाचकर खूब आनंद लिया। खीर का प्रसाद भक्तों को बांटा गया। इस दौरान नगर परिषद रन्नौद में आज पहली बार बाबा खाटू श्याम का जन्म उत्सव मनाया गया जिसमें बहुत ही आनंद की लहर छाई हुई है अमन गांधी मित्र मंडली जय माँ आइसक्रीम फ़ैक्ट्री रन्नौद मोनू खटिक आकाश भदोरिया,सोनू खटिक, सोनू कुशवाह,दीपक बैरागी,रितिक गॉड प्रवीण मिश्रा,वीर सिंह बोध्य

पंचायत मंत्री से गैंग रैप पीड़िता के पिता की गुहार के बाद टी आई सहित दीवान सस्पेंड

रिपोर्टर-प्रतीश अग्रवाल
पुष्पांजली टुडे

गुना। चाचौड़ा के बीनागंज इलाके में नाबालिक युवती से हुए गैंग रैप में पंचायत मंत्री के निर्देशों के बाद पुलिस अधीक्षक पंकज श्रीवास्तव ने टी आई निरीक्षक रवि गुप्ता के अलावा एक दीवान को सस्पेंड करने के आदेश जारी किए हैं।मंत्री ने गुरुवार को पीड़िता ब उसके पिता से जिला चिकत्सालय में पहुंच कर मुलाकात की थी पीड़िता के पिता ने मंत्री से गुहार लगाई थी कि टी आई ठोस कार्यवाही हुई कुछ पुलिस वाले भी उसे धमका रहे हैं जिसके बाद मंत्री ने एसपी से मामले में कार्यवाही की बात कही जिसके बाद सस्पेंड के आदेश जारी किए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी हुए आदेश में टी आई रवि गुप्ता, प्रधान आरक्षक राम कुमार कुशवाह को किया गया निलंबित टी आई रवि गुप्ता पर जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद सिंह धाकड़ ने भी लगाकर प्रभारी मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर से शिकायत कर कहा था कि टी आई रवि गुप्ता की सहमति से चाचौड़ा थाना क्षेत्र के करीब 100 गांवो में स्मैक की पुड़िया बेंची जा रही है।साथ ही उन्होंने कहा की नशा तस्करों माफियाओं के आपसी समझौते निपटारे मैं भी टी आई गुप्ता के द्वारा 5-5 लाख रुपए लिए जाते थे। मामले में चाचौड़ा विधायक लक्ष्मण सिंह ने भी कहा था ऐसे घटिया टी आई को जल्द से जल्द बर्खास्त कर देना चाहिए।

मध्यप्रदेश की धरती पर 15 नवम्बर से लागू होगा पेसा एक्ट: मुख्यमंत्री चौहान

तेंदूपत्ता संग्राहकों के बैंक खातों में अंतरित किये 41 करोड़ 63 लाख 29 हजार रुपये

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 15 नवम्बर से प्रदेश में पेसा एक्ट लागू कर दिया जायेगा, जिससे हमारे जनजातीय भाई-बहनों को कई सुविधाएँ मिलेंगी। सामाजिक समरसता के साथ सामाजिक न्याय भी मिलेगा। तेंदूपत्ता संग्राहक के बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी सरकार देगी। अब तेंदूपत्ता के कुल लाभांश की 75 प्रतिशत राशि तेंदूपत्ता संग्राहकों में वितरित की जायेगी। खालवा में अगले शिक्षण-सत्र से महाविद्यालय खोला जायेगा। मुख्यमंत्री चौहान आज खालवा जिला खण्डवा में लघु वनोपज सहकारी समितियों की क्षमता वृद्धि हेतु प्रशिक्षण सह जागरूकता एवं तेन्दूपत्ता लाभांश वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान ने 786 करोड़ रूपये लागत के 43 कार्यों का भूमि-पूजन एवं 79 करोड़ 59 लाख रूपये लागत के 9 कार्यों का लोकार्पण किया। साथ ही खण्डवा, नर्मदापुरम, बैतूल एवं उज्जैन वृत्त के कुल 10 वन मण्डल की 102 लघु वनोपज समितियों के 1 लाख 68 हजार 601 संग्राहकों के बैंक खाते में 41 करोड़ 63 लाख 29 हजार 75 रूपये हस्तांतरित किये। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि क्षेत्र के विकास में हर संभव प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अपने क्षेत्र को नशा मुक्त बनाए। मुख्यमंत्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर लगी विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

हितग्राही हुए लाभान्वित

मुख्यमंत्री चौहान ने देवास के चंदर पिता सहादर, कश्मिर पिता हजारी जिला खण्डवा, दयाराम पिता गुलाब बड़वाह, प्रेमदास पिता हरिराम नर्मदापुरम, राधेलाल यादव बैतूल को तेंदूपत्ता संग्रहण बोनस राशि के चेक देकर सम्मानित किया। साथ ही उद्यम कृषि योजना, एक जिला-एक उत्पाद, आजीविका स्व-सहायता समूह, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, वन अधिकार पट्टा आदि योजनाओं में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। मुख्यमंत्री चौहान ने गांधी मेडिकल कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र सुनील पिता शोभाराम इस्के एवं जबलपुर मेडिकल कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री जानकी पिता कैलाश वास्कले को 50-50 हजार रूपये के चेक भेंट किया। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को मुख्यमंत्री श्री चौहान से रू-ब-रू कराया। उन्होंने कहा कि सभी पात्र व्यक्ति योजना से लाभान्वित हो रहे है। उन्होंने बताया कि 731 करोड़ रूपये की एनव्हीडीए खालवा उद्वहन सिंचाई योजना से जिले के 76 गाँवों के निवासियों की जमीन सिंचित होगी।

रात 12 बजे श्रीकृष्ण के प्रहार से धराशायी हुआ कंस, शाजापुर में 269 वर्ष पुरानी परंपरा निभाई गई

शाजापुर।

मथुरा के बाद शाजापुर में निभाई जाने वाली प्राचीन कंस वधोत्सव की परंपरा का निर्वहन उत्साह से किया गया। देव व दानव बने कलाकारों में हुए वाक् युद्ध को सुनने हजारों लोग उपस्थित थे। पारंपरिक वेषभूषा में आए कलाकारों ने चुटीले संवादों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रात 12 बजे कंस के पुतले का भगवान श्रीकृष्ण बने कलाकार ने किया। इसके बाद पुतले को सिंहासन से नीचे गिराया गया। यहां पहले से तैयार खड़े गवली समाजजन पुतले को लाठी और डंडे से पीटते हुए घसीटकर ले गए व नई सड़क पर एक भवन की छत पर पुतले के अवशेष बुराई के अंत के संदेश के रूप टांग दिए। इसके पूर्व देव व दानवों का जुलूस भी निकाला गया।

आयोजन का 270वां वर्ष रहा

करीब एक किलोमीटर क्षेत्र में हुए इस लोक नाटय रंग मंच के कार्यक्रम के दौरान लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। आजाद चौक व कंस चौराहा के अलावा इस बार गवली मोहल्ला में भी वाक्युद्ध का आयोजन दिलचस्प रहा। परंपरा का यह 270 वां वर्ष रहा। इस आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में जिले सहित आसपास के क्षेत्र के लोग भी पहुंचे। घमंड व अत्याचार के प्रतीक कंस के पुतले को एक सप्ताह पहले से ही कंस चौराहे पर बैठा दिया गया था। कंस के इस दरबार का विनाश आज दशमी के दिन किया गया।

उल्लेखनीय है कि शाजापुर शहर के सोमवारिया में कंस के पुतले को बैठा दिया जाता है। देश के मथुरा के बाद शाजापुर में इस परंपरा का सैकड़ों सालों से इस परपंरा का निर्वहन किया जा रहा है। मथुरा के बाद शाजापुर में करीब 269 वर्षों से यह आयोजन लगातार हो रहा है। आयोजन समिति के संयोजक तुलसीराम भावसार, पदाधिकारी अजय उदासी बताते हैं कि आयोजन का यह 270 वां वर्ष है। दशमी की शाम को देव व दानव की वेशभूषा में कलाकार तैयार हुए। इसके पश्चात देव व दानवों का जुलूस निकाला गया। यह जुलूस बालवीर हनुमान मंदिर से, धानमंड़ी चौराहा, किलारोड, छोटा चौक होते हुए आजाद चौक में पहुंचा। यहां पर रात में देव व दानवों में चुटीले संवादों का वाक युद्ध हुआ। पारंपरिक वेशभूषा में सजे धजे कलाकार देर तक वाक युद्ध करते रहे।

चुटीले संवादों का लोगों ने लुत्फ लिया। रात को कलाकार आजाद चौक से सोमवारिया बाजार में कंस चौराहा पर पहुंचे। कंस चौराहा पर भी वाक युद्ध हुआ। गवली समाजजनों के पहुंचने पर वरिष्ठों का सम्मान किया गया। इसके पश्चात रात 12 बजते ही कंस वध किया गया। पांरपरिक वेषभूषा में श्रीकृष्ण बने कलाकार द्वारा कंस के पुतले का वध किया गया। सिंहासन से नीचे गिरते हुए पुतले को गवली समाजजन लाठियां भांजते हुए पीटते हुए घसीटते हुए ले गए।

गाय के बछड़ो से भरा ट्रक पलटा एक दर्जन बछड़ो की मौत

अरुण कुशवाह कोलारस रिपोटर पुष्पांजलि टुडे

कोलारस- थाना क्षेत्र के फोरलेन हाईवे स्थित सड़ेया बाघ हनुमान जी मंदिर के पास शिवपुरी से गुना की तरफ जा रहे गाय के बछड़ो से भरा आइसर ट्रक पलट गया इस हादसे में एक दर्जन बछड़ों की मौत हो गई है इस ट्रक में लगभग 80 बछड़े भरे हुए थे ट्रक में पार्टीशन करके नीचे बछड़े और ऊपर लेशन के कट्टे भरे हुए थे जिससे किसी को शक न हो ट्रक चालक हादसे के बाद ट्रक छोड़कर भाग गए है पुलिस ने ट्रक को जप्त कर लिया है

रन्नौद पुलिस द्वारा बाखर मे खड़े गाँजे के पौधे को जप्त कर किया आरोपी गिरफ्तार

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- राजेश सिंह चन्देल पुलिस अधीक्षक महोदय जिला शिवपुरी के मार्गदर्शन तथा श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रवीण भूरिया साहब एंव श्रीमान एस.डी.ओ.पी. महोदय कोलारस श्री विजय कुमार यादव के दिशा निर्देशन में चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत आज दिनाँक 04.11.22 को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मेघोनाडाँग के नारायण लोधी ने अपने घर के पास बाखर में अवैध मादक पदार्थ गांजे के पेड लगा रखे हैं जिसे शीघ्र दबिश देकर मय अवैध मादक पदार्थ के पकडा जा सकता है । मुखविर सूचना पर वैधानिक कार्यवाही करते हुये मय फोर्स के दबिश दी गई तो आरोपी नारायण पुत्र रामसिंह लोधी उम्र 60 साल निवासी ग्राम मेघोनाडाँग की बाखर में से आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गाँजे के छोटे बडे हरे पौधे कुल नग 19 वजनी 4.8 किग्रा कीमती 30000 रूपये के जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है ।

महिला व बच्चों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन।

फोड़ा फुंसी पर लगाने वाले लोशन को पिलाया पत्नी व बच्चे हुए बेसुध

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद। महिला व नावालिग बच्चों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर एसडीएम शुभम शर्मा एवं बीएमओ डॉ आलोक शर्मा को पीड़ित ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर ज्ञापन सौंपा है ज्ञापन में बताया गया है कि मेरी पत्नी ममता एवं नाबालिक पुत्री प्रिया, निधी व पुत्र कान्हा यह सभी खुजली एवं फोडा फुन्सी से पीडित थे, जिस कारण इसकी दवा लेने प्रार्थी की पत्नी ममता तीनो बच्चो को साथ लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोहद गई और वहां सभी का पर्चा बनवाया और डॉ वीरेन्द्र सिंह को दिखाया उन्होंने कुछ खाने की गोलिया व शरीर पर लगाने के पर्मेशिन लोसन पर्चे पर लिख दिया तब प्रार्थी की पत्नी ममता ने अस्पताल के दवा वितरण केन्द्र से दवा लेकर दवा का

उपयोग करने डॉ वीरेन्द्र को दिखाने उनके कक्ष मे पहुची तब तक डॉ वीरेन्द्र अपने कक्ष नहीं थे तब प्रार्थी की पत्नी डॉ आलोक शर्मा से परामर्श करने गई तो उन्होने कहा कि डॉ धीरज गुप्ता को पर्ची एवं दवा दिखाकर उपयोग करना जान लें और डॉ आलोक शर्मा भी चले गये तब प्रार्थी की पत्नी अस्पताल में उपस्थित डॉ धीरज गुप्ता को पर्चा एवं दवा दिखाने व उपयोग की विधि के वारे में जानकारी लेने पहुची तो डॉ धीरज गुप्ता ने विना पर्चा व दवा देखे दुत्कारते हुये दूरी से ही कह दिया कि जाओ सब दवाओ में से 1-1 ढक्कन दवा पिला देना। प्रार्थी की पत्नी दवा का उपयोग करना नही जानती थी इसलिये घर जाकर डॉ धीरज गुप्ता के वताये अनुसार शरीर के फोडा फुसियो पर लगाने वाली दवा पर्मेथिन लोसन स्वंय व बच्चो को एक एक ढक्कन पिला दी। जो एक जहरीला पदार्थ था जिसके पिलाने के थोडी देर बाद सभी को घवराहट होने लगी ÷मैं प्रार्थी विधि व्यवसायी होने से न्यायालय भवन में था तब उपरोक्त घटना की सूचना मिली तभी मैं अपने घर पर पहुचा तब तक तीनो बच्चों व पत्नी को घवराहट व मुंह मे से झांग आना शुरू हुआ देखा मैंने अपनी पत्नी से पूछा कि कौन से दवा खाई है तक उसने पर्मेथिन लोसन बताया जो एक जहरीला जानलेवा लोसन था तभी में जल्दी से गोहद अस्पताल पहुंचा तब वहा पर डॉ वीरेन्द्र मिले थे और हमें देखते ही डॉ धीरज गुप्ता वहां से भाग गये और उन्होंने अपना मोवाईल बंद कर लिया मेरा उनसे कोई सम्पर्क नही हो पाया। गोहद अस्पताल में मेरी पत्नी व तीनो बच्चो को एम0 एस0 बोतल की दवा दिलवाकर उल्टीया कराई और 4 घंटे तक अस्पताल मे भर्ती रखा गया। जिसका उन्होने कोई रिकार्ड अभिलिखित नही किया और ना ही हमें भर्ती कार्ड दिया गया। इस प्रकार गोहद अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा बहुत ही लापरवाह पूर्वक कार्य कृत्य किया है जो एक अपराध की श्रेणी में आता है। इस प्रकार शासकीय अस्पताल के डॉक्टरों की घोर लापरवाही में मेरे परिवार को मृत्यु के मुँह में पहुंचा दिया था लेकिन ईश्वर की कृपा रही कि कोई गम्भीर घटना नही घटित हो पाई इस प्रकार वर्षो से गोहद अस्पताल मे पदस्थ डॉक्टर मरीजो के साथ उनके जीवन के साथ खिलवाड कर रहे है डॉ धीरज गुप्ता अपने मोवाईल बंद करके अभी तक लापता है गरीब जनता बहुत परेशान है गोहद अस्पताल के डॉक्टर अपने अपने रूमो पर मोटी रकम (फीस) लेकर आहतो (पीडितो) का ईलाज करते हैं और अपने अपने मोवाईल मे अधिक व्यस्त रहते हैं और मरीजो के साथ इनके लापरवाही पूर्वक कार्य से कई बार दुखत घटनाये घटित हो चुकी है जिसके जिम्मेदार गोहद अस्पताल के डॉक्टर है इसलिये गोहद की जनता बहुत परेशान है। दवा खाने की गलत जानकारी देने वाले डॉ धीरज गुप्ता व डॉ वीरेन्द्र के विरूद्ध वैधानिक दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की है।

श्री खाटूश्यामजी का हर्षोल्लास के साथ जन्मोत्सव मनाया गया

हारा हूँ बाबा पर तुझ पर भरोसा है

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । श्रीखाटूश्यामजी के जन्मोत्सव के उपलश्य मे भिंड ऋषि की पावन भूमि के वाटर वर्क्स लक्ष्मीनगर मे श्री खाटूश्याम नाम संकीर्तन् का आयोजन किया गया एवं केक काटकर बाबा श्रीश्याम का जन्मदिन मनाया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्याप्रकाश पाण्डे(प्राचार्य),नितिन दीक्षित शिक्षक। जिसमे श्याम मंडल के गायक कलाकारों में मुख्य रूप से कीर्ति शर्मा (ग्वालियर), उमेश भाई (ग्वालियर), संदीप् बाबा (भिंड), अंकित शास्त्री (भिंड) और सजल मिश्रा ने बाबा श्रीश्याम के भजनों को गाकर श्रीश्याम को रिझाया और गोलू भाई (ढोलक बादक), मन्नू भाई (पेड़ बादक), रवि साउंड भिण्ड ने कार्यक्रम में अच्छी संगत की। लखदातार परिवार मेहँगाव से ग्रिराज शर्मा, भोलू जोशी, अनुराग शर्मा, मन्नू तिवारी, विवेक भाई आदि। शिवबीर सिंह भदौरिया, शशिभूषण सिंह चौहान, मुकुल मिश्रा, पंकज त्रिपाठी, छोटू भदौरिया,निखिल मिश्रा, अनिल मिश्रा, सुनील मिश्रा, राममिलन भारद्वाज छोटे सिंह तोमर,रवि शर्मा, हरिशंकर शर्मा, गुडुडु चौहान,रामनिवास श्रीवास्तव सहित श्याम प्रेमी एवं सैकड़ों की संख्या समस्त मोहल्लावासी उपस्थित रहे। कार्यकर्ता अनुराग शर्मा, भोले शर्मा, शनि राजावत (कन्नू), हर्ष भदौरिया (बल्ला),हरिओम शर्मा,करन सिंह तोमर(कान्हा),हनी सिंह चौहान,वेदांशु त्रिपाठी(यश),कृष्णा सिंह चौहान,राज शर्मा, अन्नू शर्मा, देवू परिहार, अभय श्रीवास्तव आदि युवक उपस्थित रहे।

एक शाम अनाथ बच्चों के नाम भजन संध्या का आयोजन 14 को

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू ़ राष्टीय प्रजा प्रभुत्व सेना की ओर से 14 नवम्बर को व्हाइट फील्ड स्थित कर्नाटक व्यापार संवर्धन संगठन परिसर में बाल दिवस पर एक शाम अनाथ बच्चों के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।शुक्रवार राष्टीय प्रजा प्रभुत्व सेना के संस्थापक एंव अध्यक्ष कु.राकेश देशरला कमेटी मेम्बर्स ओमप्रकाश उपाध्यक्ष, सुनील जैन कोषाध्यक्ष रमेश माली महासचिव विजयराज जैन सचिव, दिनेश बिश्नोई प्राईम सदस्य, अनिल शर्मा मिडिया प्रभारी पियुष प्रजापत राष्टीय प्रवकता ने मारूति मेडिकल विजयनगर के प्रमुख महेंद्र मुणोत से मुलाकात कर उन्हे कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया । इस कार्यक्रम में गौभक्त ओम मुंडेल एंव आकृति मिश्रा लोक गायिका गीता रेबारी भजनों की प्रस्तुति देगें। इस कार्यक्रम में प्रसादी की व्यवस्था रखी गई है ।

मौं मंण्डल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशबाह के निज निबास पर बिधि प्रकोष्ठ के जिला सयोंजक आदरणीय एडवोकेट श्री के पी राठौर का आगमन् हुआ

पवन विश्वकर्मा पुष्पांजली टुडे

मंडल अध्यक्ष की ओर से सोंल श्रीफल देकर सम्मान किया एंव पार्टी के बिषय में कुछ चर्चायें हुई इस अबसर पर अनुं मोर्चा मंण्डल अध्यक्ष महेंन्द परिहार मंण्डल महामंत्री सुल्तान मोर्य प्रचार प्रसार मंत्री सोमबीर सिबहरे अनुं मोर्चा के जिला सह आइटी प्रभारी सतीष परिहार किसान मौर्चा शोशल मिडिया प्रभारी दीपक यादव डां बेताल गोड अजय झां आकाश शाक्य दिनेश परिहार सोनू खांन धर्मेन्द राणा बबली यादव रामकुमार जादोंन रघुराज गुर्जर जिरतबई आदि उपस्थित रहे

विधायक हिना कावरे के प्रयास से मिली पुलियों की सौगात

करोड़ों की लागत से निर्मित होंगे पुल पुलियां, आवागमन में होगी सुविधा

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न ग्रामों में पुल पुलिया सहित सडको मांग आवागमन एवं परिवहन की सुविधाओं के चलते की जा रही है। बता दें कि जंहा पुल एवं मार्ग ही नही है, यहां बरसात के दिनों में आवागमन में खासी परेशानियों का सामना भी करना पडता है, इसको लेकर लगातार ग्रामीणो की मांग की जा रही थी। ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में करेजा से बडगांव म मार्ग पर स्लेब कलवर्ट, सहेकी से पालडोंगरी पंहुच मार्ग पर स्लेब कलवर्ट, मिरिया से माताटोला पर स्लेब कलवर्ट निर्माण को लेकर इन तीनों स्थानों पर अतिशिघ्र पुल निर्माण के लिये ग्रामीणो ने यह मांग क्षेत्रीय विधायक सुश्री हिना कावरे के समक्ष रखी? थी। इन मांगों पर अमली जामा पहनाते हुये विधायक हिना कावरे के द्वारा उक्त तीनों स्थानो पर लगभग 2 करोड़ 72 लाख रूपये की लागत से यहां स्लेब कलवर्ट स्वीकृत कराकर जनता की मांगों को पुर्ण कर उन्हें उपलब्धि दी है।

प्रशासकीय स्वीकृति मिलते ही होगा निर्माण प्रारंभः ग्रामीणो की मांग को देखते हुये विधायक हिना कावरे के द्वारा उक्त सभी मार्गो पर स्थित बडे नालो पर 2 करोड 71 लाख 89 हजार रूपये की लागत से स्लेब कलवर्ट निमार्ण कार्य किये जायेंगे। इस संबंध में प्रशासकिय स्वीकृति आदेशानुसार मध्यप्रदेश शासन खनिज साधन विभाग मंत्रालय भोपाल के पत्र अनुसार कार्यालय ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक 2 बालाघाट से तकनीकि स्वीकृति के आधार पर प्रशासकिय स्वीकृति जारी करते हुये क्रियान्वयन एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रं. 2 को बनाया गया है। जिसके तहत जनपद पंचायत लांजी ग्राम पंचायत मिरिया से माता टोला मार्ग तक स्लेब कलवर्ट लागत 93 लाख 12 हजार रूपये, ग्राम पंचायत सहेकी अन्तर्गत सहेकी से पालडोंगरी पंहुच मार्ग पर स्लबे कलवर्ट निर्माण लागत 74 लाख 19 हजार, एवं ग्राम पंचायत करेजा अन्तर्गत करेजा से बडगांव म मार्ग पर स्लेब कलवर्ट जिसकी लागत 1 करोड 4 लाख 58 हजार रूपये की प्रशासकिय स्वीकृति आदेश जारी हो चुके है जल्द ही उक्त स्थानो पर विभाग निर्माण कार्य प्रारंभ करवा दिया जायेगा।

ग्रामीणो ने जताया विधायक कावरे का आभारः उक्त सभी मार्गो पर पुल की अत्यंत अधिक आवश्कता थी क्योंकि बारिश के दिनो में ग्राम तक पंहुचने के लिये दुसरे मार्गो का सहारा लेकर लगभग 10 से 12 किमी का फेरा लगाकर जाते थे। लेकिन यहां पुल पुलियों के निर्माण पुर्ण हों जायेंगे तो यह समस्याएं खत्म हो जाएगी। एवं ग्रामीणों को उनके घर तक पंहुचने में आसानी होगी। उक्त सभी ग्रामो के ग्रामीण जनो ने विधायक सुश्री हिना कावरे के प्रति आभार व्यक्त किया है।

खोड भाजपा मंडल युवा मोर्चा कार्यकारिणी की गई गठित

नरेश कुमार सिरवी पुष्पांजली टुडे

राजस्थान रानी पाली । भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा भाजपा पाली जिलाध्यक्ष मंशाराम परमार सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा खोड़ मण्डल प्रभारी जयवर्धन रांकावत *भाजपा खोड़ मंडल अध्यक्ष हुकमसिंह खरोकड़ा* के निर्देशानुसार भाजपा खोड़ मंडल आईटी सेल संयोजक प्रभुसिंह राव चांचौडी ने बताया कि भाजपा खोड़ मंडल योवा मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने घोषित की कार्यकारिणी जिसमें उपाध्यक्ष पद पर जितेंद्र जणवा परितोष सिंह (बंटी) निंबाड़ा महामंत्री पद पर शंकर सिंह चाचौड़ी घनश्याम सिंह चारण मांडल मंत्री पद पर धनाराम चौधरी किरवा रामेश्वर प्रजापत बूसी रूपेश चौधरी चांगवा फूल सिंह बूसी कोषाध्यक्ष पद पर प्रवीण कुमार मालवीय चांचौडी आईटी सेल पद पर चिराग मेहता खोड़ मीडिया प्रभारी पद पर जगदीश कुमावत बालराई कार्यालय प्रभारी के लिए जयेश देवासी चाचौडी एंव सदस्यों के रूप में मांगीलाल शर्मा खोड़ कुंदन कुमार निंबाड़ा रणजीत सिंह बुसी विनोद पूरी चांगवा प्रवीण कुमार कुमावत बालराई अनिल प्रजापत सेदरिया हड़मत सिंह चाचौडी बलराम देवासी चांचौडी गोविंद शर्मा खोड़ को कार्यकारिणी में सम्मिलित कर पद एंव गोपनीयता की शपथ दिलाई साथ नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एंव सदस्यों से सामाजिक जीवन में उच्च आदर्शो का पालन करने का भी आव्हान किया।

मैने ईश्वर को नहीं, मैने माता-पिता को देखा है

जब मै भोजन ग्रहन करने मे अक्षम था
मुझे अपने आंचल में लेकर
अमृत पिला कर मुझे जीवन देते हुए
मैने माँ को देखा है।
मैने ईश्वर को नहीं, मैने माँ को देखा है।

जब मै चल नहीं पाता था
मुझे सहारा देकर चलना सिखाती
मुझे हर पल चोट लगने से बचाती
मैने मां को देखा है।
मैने ईश्वर को नहीं, मैने माँ को देखा है

मेरे जन्म के बाद
अपनी भूख प्यास को भूलकर
मेरी हर ज़रूरत पूरा करते
मैने पिता को देखा है।
मैने ईश्वर को नहीं, मैने पिता को देखा है।

जब मै बीमार होता था
उच्च ताप से मेरे मस्तिष्क को अव्यवस्थित होते देख
माँ की आँखो से निकले आंसुओं को पोछते
मैने पिता को देखा है
मैने ईश्वर को नहीं, मैने पिता को देखा है।

जब माँ रात भर जग जग कर मुझे दूध पिलाती
मुझे दूध पिलाकर भूख से अकुलाती माँ को
अपने हाथों से खाना खिलाते
मैने पिता को देखा है
मैने ईश्वर को नहीं, मैने पिता को देखा है।

मेरी शिक्षा के लिए,
मुझे जीवन में आगे बढ़ता देखने के लिये,
धूप मे तपते, बारिश में भीगते
दिन रात एक करते पिता को देखा है
मैने भगवान को नहीं, मैने पिता को देखा है।

मेरे जीवन के पथ में
मुझे सही गलत का ज्ञान देते,
मेरी गलतियों को सुधारते,
मेरी हर परेशानी का हल बनते,
मैने मेरे माता पिता को देखा है
मैने ईश्वर को नहीं, मैने माता पिता को देखा है।

ये कैसी छवि बना बैठते हैं हम सब ईश्वर की
जो साक्षात ईश्वर है उनको वृद्धाश्रम मे छोड़,
उनका तिरस्कार कर, उनका दिल दुरखाकर
मन्दिर मस्जिदों में हाथ जोडे
पूजा करने बैठ जाते हैं।
हम भूल जाते हैं हमने ईश्वर को भले ही न देखा हो
हमारे जन्मदाता साक्षात ईश्वर को हम सबने देखा है,

अपने माता पिता को मन मन्दिर में बसा लूँ
मन्दिरों में बैठ कर भजन कीर्तन भले न कर पाऊँ
माता पिता की खुशी की वजह भले न बन सकूँ
उनके आंसुओं का कारण कभी न बनूँ
बस इतना तो मैने खुद को समझाया है।
क्यों कि
मैने ईश्वर को नहीं मैने मेरे साक्षात ईश्वर
मेरे माता पिता को देखा है।

केशब पंडित जी पुष्पॉजली ब्यूरो चम्बल अम्बाह मुरैना म.प्र.

भारत जोड़ो यात्रा में चलेंगे सैकड़ों कार्यकर्ता ़ मानसिंह

कांग्रेस की भिंड में होने वाली भारत जोड़ो यात्रा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिले में जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा के नेतृत्व में चार दिवसीय भारत जोड़ो यात्रा की तैयारिय पूर्ण हो गई है । यात्रा का शुभारंभ स्थान फूफ समय सुबह 8 बजे से किया जवेगा, जिसमें कांग्रेस जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने बताया यात्रा का विश्राम भिंड ग्वालियर रोड पर रहेगा । व अगले दिन भिण्ड से चलकर रात्रि विश्राम मेहगांव रहेगा उसके अगले दिन मेहगांव से चलकर रात्रि विश्राम गोहद रहेगा तथा 8 तारीख को भिंड की बॉर्डर सीमा टोल प्लाजा पर ग्वालियर की जिला अध्यक्ष की उपस्थिति में यात्रा उन्हें सौंप दी जावेगी।

लो हिंदू अल्प संख्यक हो गया

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। दिलीप मिश्रा (वरिष्ठ स्तम्भकार साहित्य साधक) ग्वालियर के अनुसार भारत की दलित राजनीति सत्ता का खतरनाक टाइम बम चुका है और इसका मीम से गठजोड़ हिंदुओं को हिंदुस्तान में अल्पसंख्यक बना चुक है 7 आज का सर्वाधिक चर्चित शव्द ÷दलित भारत के वैदिक साहित्य में नहीं था 7 हाँ हरिजन था 7 श्री रामचरित में गोस्वामी जी ने लिखा- हरिजन जान प्रीत अति बाड़ी, सजल नयन पुलका अति बाड़ी 7 हरिजन यानि भगवान का जन कहा गया 7 भागवत के सबसे महत्वपूर्ण भाग श्रीमद् भगवत गीता में भगवान ने अर्जुन से कहा कि - ईश्वऱ सर्वभूतानां हृदयेश अर्जुन तिष्ठति 7 भ्रामयन्सर्वभूतानि माया 7 अर्थात ़ भगवान सबके हृदय में बैठ कर संसार चक्र चला रहे हैं जिसमें समाज के चारों वर्ण- ब्रामण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र (दलित) सभी समान हैं 7

आज की दुर्भाग्यपूर्ण दलित राजनीति ने अन्य विधर्मियों के साथ दुर्भाग्यपूर्ण भावना से इस शव्द का सबसे ज्यादा दुरूपयोग कर हिंदू समाज को कमजोर और खंडित करने का दुष्कर्म इन छदम उदारवादी हिंदुओं ने ही किया है 7

विगत दिनों जब भारतीय मूल के और हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों से दीक्षित श्री रिषि सुनक इंग्लैंड के प्रधानमंत्री बने, तो भारतीयों में खुशी और गौरव की लहर का संचार हुआ 7 यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी, क्योंकि माननीय श्री रिषि सुनक हमारे स्वधर्मि हिन्दू और भारतीय मूल से हैं 7 एक जानकारी के अनुसार इंग्लैंड की सामाजिक और राजनैतिक व्यवस्था में अल्पसंख्यक या बहु संख्यक जैसे भारतीय शव्द है ही नहीं 7 द टाइम्स की एक वार्षिक रिपोर्ट ने अपने वार्षिक शोधपत्र में यह तथ्य प्रकाशित कर विश्व विरादरी और विशेषरूप से भारत के कथाकथित छदम साम्प्रदायिकता के शिवम्भू उदघोषकों को चौंका दिया कि- इंग्लैंड में रहने वाला हिन्दू समाज सबसे ईमानदार, सचरित्र और वहां के पारसी समुदाय के बाद सबसे ज्यादा धन तथा ज्ञान सम्पन्न और अपराधी गतिविधियों से दूर रहने वाला विश्वसनीय वर्ग है 7 इग्लैंड का हिंदू समाज अपराधों से दूर रहता है, इंग्लैंड की कुल आबादी का 40 प्रतिशत धनाड्य वर्ग जो लंदन के आसपास रहता है, हिन्दू समुदाय से ही है , यानि इंग्लैंड की कुल जनसंख्या का हिंदू समाज 40 प्रतिशत धन सम्पन्न है, जो उसने अपनी मेहनत, ईमानदारी और 200 सालों की कठौर परिश्रम से कमाया है 7 इतना ही नहीं द टाइम्स की यह वार्षिक सर्वे रिपोर्ट ने यह चौंकाने वाली बात भी बताई है कि इग्लैंड की जैलों में केवल 329 भारतीय लोग जैलों में हैं, जो इंग्लैंड के अन्य वर्गों में सबसे नगण्य संख्या है 7 वह भी भ्रष्टाचार और बलत्कार जैसे जघन्य अपराधों में तो एक भी हिन्दू व्यक्ति इंग्लैंड की जैलों में नहीं है 7 यही कारण है कि इंग्लैंड में रह रहा हिन्दू वहाँ की राजनीति,व्यापार ,समाज कल्याण के क्षेत्र में उच्च पदों पर विराजमान हैं और इंग्लैंड की आर्थिक,राजनीति और प्रशासनिक क्षेत्र में उन्नति में सक्रिय योगदान देकर इंग्लैंड में अंग्रेजी वर्ग के नागरिकों के दिलों में अपना सम्मानीय महत्वपूर्ण स्थान रखता है 7 हांलांकि विगत दिनों इंग्लैंड में भी वहाँ रह रहे हिन्दू और सिखों पर रंगभेद की नीति के कारण हमले हुए हैं , पर वहाँ की पुलिस और सरकार ने उन्हें दबा दिया, क्योंकि इंग्लैंड की सरकार एवं प्रशासन में भी 40 प्रतिशत से भी अधिक हिन्दू वर्ग ही काविज हैं और उसकी इंग्लैंड में मजबूत आर्थिक पकड़ बनाये हुए है 7 इंग्लैंड का हिंदू मूल का निवासी हिंदू जहाँ एक ओर वहाँ इतना महत्वपूर्ण स्थान रखता है, वही भारत का छदम साम्प्रदायिकता के दंश से दंशित हिंदू समाज हिंदुस्तान में छद्म साम्प्रदायिकता और दलित राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण नीतियों के कारण अपने ही देश में, अपने ही स्वधर्मियों लोगों की दुर्भावना का शिकार कर रहा है 7 विगत दिनों भारत के गृह मंत्रा ने एक वार्षिक जांच रिपोर्ट में यह पाया है कि पाकिस्तान,बग्लादेश, चीन,वर्मा की सीमाओं से लगने वाले भारतीय सीमावर्ती शहरों,कसवों में मुस्लिम आवादी तेजी से बड़ रही है और इनके पास आधुनिक हथियार भी बरामद हो रहे हैं 7 आपको यह तथ्य जानकर दुखद आश्चर्य होगा कि भारत में सन् 2001 की जनगणना में ही यह कटु सत्य उजागर हो चुका था कि भारतीय संसद में लोकसभा की कुल सीटों में से 410 सीटों पर मुस्लिम अल्पसंख्यक वर्ग निर्णायक मतदाता बन चुक है , जो अपनी पसंद के, अपनी जातियों के और अपने वर्ग से सांसद निर्वाचित कर भारतीय संसद में भी भेज रहा है 7 यानि भारतीय राजनीति का जातिवादी चरित्र , अपराधीकरण और विभाजनकारी शक्तियों का संगठित केन्द्रीय करण हो चुका है और भारत में हिन्दू अब अल्पसंख्यक वर्ग में हैं 7 यह सब हुआ है भारत में समान नागरिक संहिता और कौई समान सामाजिक कानून के नहीं होने कारण 7 अत़ आज भारत को समान नागरिक संहिता की ही नहीं, जनसंख्या नियंत्रण कानून की भी बहुत आवश्यकता है 7 भारत में दलित आरक्षण और साम्प्रदायिक शक्ति असंतुलन ही भारत के विकास में सबसे ज्यादा अवरोध उत्पन्न कर रहा हैं 7 भारत सरकार को अब इन दोनों विषयों पर कठोर और भारत के व्यापक हित में निर्णय लेना ही पड़ेगा, तब भारत बन पायेगा स्वर्ण पथगामी और विश्व गुरू अखंड, अभेद्य और परमाणु शक्ति सम्पन्न भारत। भारत जितना शक्ति सम्पन्न और अभेद्य होगा ,वह उतना ही विश्व का और स्वयं भारत का भी कल्याण कर पायेगा।

देवउठनी पर्व पर हुआ तुलसी शालिग्राम विवाह

शुरू होंगे मांगलिक कार्य

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

नगर व क्षेत्र में शुक्रवार को देवउठनी एकादशी आस्था व श्रध्दा के साथ मनाई गई। ग्रामीण अंचल में लोगों द्वारा सुबह से अपने घर के आंगन में स्थित तुलसी चौरा के सामने रंगोली से भगवान विष्णु के चरण बनाकर धूप, द्वीप, अक्षत, नैवेद्य, गन्ना, सिंघाड़ा आदि पूजा सामग्री से पूजा अर्चना की गई। देवउठनी ग्यारस के चलते बाजार में किसानों ने गन्ने बिक्री के लिए जगह जगह रखें थे। मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी से भगवान निन्द्रासन से जागते हैं। इसके बाद सभी मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवोत्थान एकादशी के नाम से जाना जाता है। घर - घर में परम्परानुसार तुलसी विवाह का आयोजन कर श्लोक भी पढ़ें गए। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के शालिग्राम और तुलसी के विवाह का विधान है जिसके चलते हिंदू धर्मावलंबियों के द्वारा अपने घरों में शालिग्राम तुलसी विवाह संपन्न कराया गया। इस दौरान संध्या बेला में बच्चों ने आतिशबाजी भी की। मान्यता यह भी है कि इस दिन विधिपूर्वक तुलसी विवाह का आयोजन करने से सुख और सौभाग्य का आगमन होता है। देवउठनी एकादशी के साथ ही अब मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो गई है।

आहिर नृत्य की प्रस्तुतिः देउठनी पर्व के चलते अहिर यादव समाज के ग्वालों द्वारा घर घर जाकर परंपरागत रूप से नाचकर पर्व की बधाईयां दी। इस दौरान दोहे गाकर पशुधन की आराधना करते हुए सुख समृद्धि की कामना की गई।

श्री रामलीला मैदान मुरार में संगीतमय श्रीमद भागवत पुराण महोत्सव का आयोजन

जो भक्त कृष्ण रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं, उनकी वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती हैं : आचार्य सतानंद

गुरु रास्ता बताते हैं किन्तु शिष्य को ही चलना पड़ता है,,, श्री रामदास जी महाराज दंदरौआ सरकार

ग्वालियर। श्री रामलीला मैदान, मुरार में संगीतमय श्रीमद भागवत पुराण महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कथा में आज श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज का आगमन हुआ,इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिना विश्वास के भक्ति नहीं होती है, संत कृपा होती है तो मनुष्य भक्ति प्राप्त कर सकता है, लेकिन संत और सद्गुरु भक्ति का मार्ग बता सकते हैं, लेकिन चलना तो शिष्य को ही पड़ेगा। यह उद्गार दंदरौआ धाम में श्रीश्री 1008 महामण्डलेश्वर मंहत श्री रामदास जी महाराज ने श्री रामलीला मैदान, मुरार श्रीमद् भागवत कथा के दौरान प्रवचन करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि गुरु रास्ता बताते हैं किंतु शिष्य को ही चलना पड़ता है। भक्ति के लिए हमेशा छोटा बनकर रहो क्योंकि भक्ति के दरबार में उसी को प्राथमिकता मिलती है जो सबसे छोटा होता है, दीन होता है। भक्त की पहचान यही होती है कि वह अपने को कभी बड़ा नहीं समझता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य की तृष्णा भक्ति नहीं करने देती है, इसलिए अपनी तृष्णा से दूरी बनाकर रहना ही उचित होता है। इंसान के बंधन और मोक्ष का कारण मन होता है यदि मनुष्य का तन तो मन्दिर में है लेकिन मन उसका घर गृहस्थी, दुकानदारी में लगा है तो उसका मन्दिर में रहने से कोई फायदा नहीं होता है।

कथा व्यास आचार्य सतानंद महाराज द्वारा श्रीमद भागवत पुराण कथा का सुंदर वाचन किया जा रहा है। शुक्रवार को श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण और रुक्मणी का विवाह ब? ही धूमधाम से मनाया गया। विवाह उत्सव के दौरान कई भजनों की प्रस्तुति दी गई इस मौके पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। कथावाचक आचार्य सतानंद महाराज ने रास पंच अध्याय का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि महारास में पांच अध्याय है। उनमें गाए जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण है। जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है वह भव पार हो जाता है। उन्हें वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती है। कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान, कंस का वध, महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, कालयवन का वध, उधव गोपी संवाद, द्वारका की स्थापना और रुकमणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूर्ण पाठ किया गया। कथा के दौरान आचार्य ने कहा कि महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया और महारास लीला द्वारा ही जीवात्मा परमात्मा का ही मिलन हुआ। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने 16 हजार कन्याओं से विवाह कर उनके साथ सुखमय जीवन बिताया। भगवान श्रीकृष्ण रुकमणी के विवाह की झांकी ने सभी को खूब भाव विभोर किया। भागवत कथा में रूकमणी विवाह के आयोजन में श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्रीकृष्ण रुकमणी की वरमाला पर जमकर फूलों की बरसा की गई। कथावाचक ने भागवत कथा के महत्व को बताते हुए कहा कि जो भक्त प्रेमी कृष्ण रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनकी वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है। कथा के अंत में पारीक्षत कैलाश नारायण शर्मा ने सपरिवार भागवत गीता की आरती उतारकर लोगों को प्रसाद वितरित किया। कथा का समापन 7 मई को भव्य भंडारे के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश राजेश शर्मा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कथा द्वारा 5 नवम्बर को सुदामा चरित्र और 6 नवम्बर को पारीक्षत मोक्ष और हवन आहूति का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

श्रीमद् भागवत का पोती पूजन एवं आरती मैं मुख्य रूप से परीक्षित पंडित कैलाश नारायण शर्मा ,जिला न्यायाधीश राकेश शर्मा ग्वालियर के विधायक डॉ सतीश सिंह सिकरवार , प्रमुख समाजसेवी एवं उद्योगपति मोहन समाधिया , वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेन्द्र सिंह परमार चाच्चू , भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक जैन, ग्वालियर महानगर के प्रमुख समाजसेवी महेंद्र सिंह सेंगर , शासकीय ठेकेदार बल्ली दंडोतिया,जनपद पंचायत मुरार पूर्व अध्यक्ष फूल सिंह कुशवाहा,राष्टीय स्वयंसेवक संघ के ओम प्रकाश सिंह तोमर ,ब्राह्मण समाज मुरार ग्वालियर के मीडिया प्रभारी पंकज पाठक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सौरभ जैन एवं प्रतीक जैन विवेक शर्मा,शिव प्रसाद शर्मा , भाजपा भगत सिंह मंडल कार्यालय मंत्री महेंद्र गुप्ता समाजसेवी मोहन सिंह पाल मुख्य रूप से शामिल थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान अल्प प्रवास पर ग्वालियर आए

विमानतल पर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को अल्प प्रवास पर ग्वालियर पधारे। उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री वी डी शर्मा भी आए। विमानतल पर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत हुआ।

विमानतल पर प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी, बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण श्री कौशल शर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह सहित जनप्रतिनिधियों ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री श्री चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा का स्वागत किया।

इस मौके पर संभागीय आयुक्त श्री दीपक सिंह, एडीजी श्री डी श्रीनिवास वर्मा, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल ने अगवानी की।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान विमानतल पर कुछ समय रूकने के पश्चात बानमोर में पूर्व मंत्री श्री रूस्तम सिंह के निवास पर पहुँचे और उनके पारिवारिक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर पुनः ग्वालियर विमानतल पहुँचकर वायुमार्ग द्वारा इंदौर के लिये प्रस्थान किया।

ग्वालियर जिले में इस साल 500 और अगले साल 2000 फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित होंगीं : राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हुआ जिला स्तरीय रोजगार दिवस एवं 'एक जिला-एक उत्पाद' कार्यक्रम का आयोजन

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा हर माह जिले की एक हजार महिलाओं को दिलायेंगे उद्यानिकी विभाग से मदद

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर जिले में मौजूदा साल में 500 और अगले साल 2 हजार खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ (फूड प्रोसेसिंग यूनिट) स्थापित की जायेंगीं। इन इकाईयों की स्थापना पर सरकार 250 करो? रूपए खर्च करेगी। इन इकाईयों के जरिए जिले के लगभग 40 हजार लोगों को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ मिलेगा। इसी तरह हर माह राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुडीं जिले की एक हजार महिलाओं को फूड प्रोसेसिंग के लिये मदद मुहैया कराने का लक्ष्य खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा रखा गया है।

श्री कुशवाह शुक्रवार को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुए जिला स्तरीय रोजगार दिवस एवं ÷एक जिला ङ्क एक उत्पाद÷ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा ग्वालियर सहित सम्पूर्ण प्रदेश के सभी जिलों में अगले 2 साल के भीतर प्रदेश सरकार 500 करो? रूपए खर्च कर 10 हजार फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव ने की।

यहाँ मेला रोड पर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित हुए जिला स्तरीय रोजगार दिवस एवं ÷एक जिला-एक उत्पाद÷ कार्यक्रम में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजना के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जु?ीं 234 महिलाओं को फूड प्रोसेसिंग गतिविधियों के लिये 77 लाख रूपए की आर्थिक मदद वितरित की। साथ ही जिला उद्योग केन्द्र के माध्यम से संचालित मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत 36 हितग्राहियों को स्वरोजगार के लिये लगभग 2 करोड 60 लाख रूपए का ऋण अनुदान वितरित किया। रोजगार दिवस आयोजन स्थल पर जिला उद्योग केन्द्र एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन भी राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने किया।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा खुशी की बात है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर हर माह रोजगार मेले लगाकर लोगों को स्वरोजगार के लिए आर्थिक मदद मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने कहा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग प्रदेश के निवासियों को आत्मनिर्भर बनाने के काम में भरपूर मदद कर रहा है। विभाग से अनुदान लेकर कोई भी किसान भाई या व्यक्ति फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। खासकर किसान भाई अपनी उपज की प्रोसेसिंग कर दोगुने से अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। सरकार फूड प्रोसेसिंग यूनिट के लिये 10 लाख रूपए तक का अनुदान देती है। साथ ही भण्डारण के लिये भी आर्थिक मदद दी जाती है। श्री कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर जिला ÷एक जिला-एक उत्पाद÷ कार्यक्रम के तहत आलू उत्पादन व सेण्डस्टोन के लिये चिन्हित किया गया है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं के तहत जिले के निवासी आलू उत्पादन व आलू की प्रोसेसिंग यूनिट के लिये विभाग से आर्थिक मदद प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव ने रोजगार दिवस व रोजगार मेले आयोजित करने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। साथ ही कहा कि इन रोजगार मेलों के माध्यम से युवाओं को स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिये आर्थिक मदद मिल रही है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वार्ड-36 में किया सामुदायिक भवन का भूमि पूजन

कहा सरकार घर-घर जाकर दिला रही है योजनाओं का लाभ

ग्वालियर। 04 अक्टूबर 2022/ ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शहर के वार्ड-36 में कबीर आश्रम के पास गेंडे वाली स?क के समीप 4 लाख रूपये की लागत से बनाये जा रहे सामुदायिक भवन के भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के हित के लिये कार्य रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के द्वारा हितग्राहियों के घर-घर जाकर उनको शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

इस अवसर पर श्री प्रयाग तोमर, पार्षद सुश्री भावना कन्नोजिया, श्री गुरूमुख कन्नोजिया, श्री शब्बीर खान, श्री नवल बोहरे, श्री राहुल शाक्य, श्रीमती ममता साहू, श्रीमती काजल प्रजापति व श्रीमती धनवंती प्रजापति सहित क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सामुदायिक भवन बनने से क्षेत्र के नागरिकों को छोटे-छोटे आयोजनों के लिये दूर नहीं जाना पडेगा। गेंडे वाली सडक स्मार्ट रो? बन रही है, जिसका कार्य शुरू हो चुका हैं। जिन व्यक्तियों ने सीवर व पानी के कनेक्शन नहीं लिये हैं वह ले लें, जिससे स?क का कार्य तेजी से किया जा सके। उन्होंने कहा इस क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य कराये जा रहे हैं। श्री तोमर ने इस दौरान वार्ड-3 की विभिन्न गलियों में बनाई जा रहीं स?कों के कार्यों को देखा तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूर्ण करें।

भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री बोरा ने कलेक्ट्रेट पहुँचकर ई-सेवा प्रणालियों को देखा

आधा दर्जन चैनलों के जरिए आम जन को सेवाएँ मुहैया कराने की प्रक्रिया को सराहा

ई-प्रणाली से सीमांकन व बटांकन की प्रक्रिया परखने खेतों में भी पहुँचे

ग्वालियर। जमीन की रजिस्ट्री होने पर ऑटो मिशन से आरसीएमएस (रेवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम) में दर्ज होना, रजिस्ट्री से संबंधित दावे-आपत्तियाँ प्राप्त करने के लिए ई-ग्राम सभा, ई-गिरदावरी व डिजिटल रूप से भू-अभिलेखों की प्रतियाँ प्रदान करने सहित राज्य शासन द्वारा मुहैया कराई जा रहीं ई-सेवाओं से भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय से संबद्ध भूमि संसाधन विभाग के संयुक्त सचिव श्री सोनमणि बोरा खासे प्रभावित हुए। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश एक ऐसा राज्य है जहाँ आधा दर्जन चैनल से आम जन को भू-अभिलेखों से संबंधित सेवायें मुहैया कराई जा रही हैं।

संयुक्त सचिव श्री बोरा अपने विभाग के तकनीकी अधिकारियों के साथ ग्वालियर भ्रमण पर आए हैं। कलेक्ट्रेट में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने भारत सरकार के संयुक्त सचिव को विस्तारपूर्वक ई-सेवाओं के बारे में जानकारी दी।

भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री बोरा ने शुक्रवार को ग्वालियर कलेक्ट्रेट पहुँचकर लोक सेवा गारंटी केन्द्र, रिकॉर्ड रूम, जन-सुनवाई, ई-दक्ष केन्द्र की कार्यप्रणाली परखी। साथ ही सुशासन की स्थापना के उद्देश्य से इन केन्द्रों के माध्यम से सरकार द्वारा आम जन को मुहैया कराई जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने राजस्व एवं भू-अभिलेख प्रकरणों के निराकरण के लिए लागू किए गए ई-सिस्टम का प्रजेण्टेशन भी कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में देखा। इसके बाद खुरैरी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे स्थित एक खेत में पहुँचकर रॉबर मशीन सिस्टम से सीमांकन, बटांकन व नक्शा निकालने की प्रक्रिया व्यवहारिक रूप से परखी। संयुक्त सचिव श्री बोरा शुक्रवार को अपरान्ह में संयुक्त राजस्व भवन पहुँचे और कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह व जिला पंचायत सीईओ श्री आशीष तिवारी की मौजूदगी में आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालय की सभी ई-सेवा प्रणालियों की प्रक्रिया को समझा।

संयुक्त सचिव श्री बोरा ने इस अवसर पर भरोसा दिलाया कि भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग द्वारा ग्वालियर जिले की तहसीलों को ई-सेवा प्रणाली के लिये और दक्षता प्रदान करने के लिये आर्थिक मदद मुहैया कराई जायेगी। उन्होंने इसके लिये प्रस्ताव भी माँगे हैं। कलेक्ट्रेट की ई-राजस्व प्रणाली के प्रजेण्टेशन के दौरान न्यायालयों के आरसीएमएस सिस्टम से जु? होने की सराहना की। साथ ही कहा बहुत ही अच्छी बात है कि रजिस्ट्री होते ही आरसीएमएस सिस्टम में दर्ज हो जाती है और संबंधित पटवारी हल्के के सभी खाते धारकों को सामूहिक रूप से एसएमएस भेजकर एक तरह से ई-ग्राम सभा के जरिए दावे-आपत्तियाँ प्राप्त की जाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

सांसद श्री शेजवलकर ने मुख्यिमंत्री से की भेंट

ग्वालियर-डबरा में आर.यू.बी. और मोहना में आर.ओ.बी. को लेकर की चर्चा

ग्वालियर। ग्वायलियर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यामंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भोपाल में भेंट कर ग्वा लियर में चल रहे विकास कार्यों और ग्वामलियर में हरिशंकरपुरम-महलगांव के बीच रेलवे ट्रेक की पुरानी पुलिया और डबरा रेलवे स्टेकशन के पास अन्डहर ब्रिज एवं मोहना में रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण हेतु बातचीत की । भेंट के दौरान श्री शेजवलकर ने मुख्यरमंत्री को बताया कि उन्होंरने केन्द्री य सड़क परिवहन-राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से व्यतक्तिगत रूप से भेंट कर ग्वा लियर में हरिशंकरपुरम-महलगांव के बीच रेलवे ट्रेक की पुरानी पुलिया और डबरा रेलवे स्टे?शन के पास अन्डहर ब्रिज एवं मोहना में रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण हेतु आग्रह किया था । श्री गडकरी ने राज्यर शासन के माध्यम से इसका प्रस्तााव बनाकर उनके मंत्रालय को प्रेषित करने हेतु कहा था । इन तीनों कार्यों के लिये राशि सेतु बंधन योजना से मिल सकती है । श्री शेजवलकर ने मुख्यिमंत्री से अनुरोध किया है कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को उक्ता तीनों कार्यों के प्रस्तानव बनाकर सडक परिवहन-राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार को यथाशीघ्र प्रेषित करने हेतु निर्देश जारी करने का कष्टह करें । मुख्यामंत्री ने श्री शेजवलकर को आश्वीस्तप किया है कि वह इस संबंध में यथाशीघ्र केन्द्री य सड़क परिवहन-राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी को पत्र लिखेंगे ।

र्तमान वर्ष के सम्मपत्तिकर में 6 प्रतिशत छूट के साथ निगम परिषद की बैठक में लिये गए अनेक निरणय

ग्वालियर। नगर निगम परिषद की बैठक में आज शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2022-23 में नगर निगम ग्वालियर अन्तर्गत स्थित सम्पत्तियों पर सम्पत्तिकर जमा करने पर वर्तमान वर्ष के सम्पत्तिकर पर 6 प्रतिशत की छूट की अवधि 15 जनवरी 2023 तक सर्वसम्मत्ति से बढाई गई तथा सभापति श्री मनोज सिंह तोमर द्वारा निगमायुक्त को निर्देशित किया गया कि सरचार्ज पर नियमानुसार छूट भी प्रदान करें। इसके साथ ही अन्य बिन्दुओं पर भी चर्चा कर निर्णय लिए गए। नगर निगम परिषद की बैठक सभापति श्री मनोज सिंह तोमर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अकुशल आउटसोर्स सफाई श्रमिकों के वेतन भुगतान एवं शेष वित्तीय वर्ष के व्यय की स्वीकृति के संबंध में प्राप्त प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए सभापति श्री मनोज सिंह तोमर ने निर्देश दिए कि उक्त श्रमिकों के वर्तमान समय तक के भुगतान को स्वीकृति प्रदान की जाती है तथा शेष अवधि के लिए पूरण विवरण के साथ प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में बजट वर्ष 2022-23 में पुर्नविनियोजन कें संबंध में प्राप्त प्रस्ताव से सदन को सूचित किया गया।

अपने विचारों में सरलता, प्रेम और शांति के पौधे लगाएं- ब्रह्मचारी भैया

जैन समाज ने सिद्धचक्र महामंडल विधान में प्रभु की आराधना कर 64 अर्घ्य समर्पित किए

ग्वालियर-उन्नति होने के बाद भी मानव के मन में खालीपन हैं। कर्म का उददेश्य धन के लोभ लाभ तक सिमटा कर रहा गये। लेकिन धन के अंदर सामर्थक होने के बाद भी हम अपनी जिंदगी से प्रेम और शांतिमय वातारण प्राप्त करने में असमर्थ हैं। हमें समझना आवश्यक हैं कि हमारा मन केवल इच्छापूर्ति एवं बुद्धि के अंहकार देखना चाहती है। लेकिन हमारा हदय केवल शांति एवं प्रेम ही चाहता हैं। यह बात उपग्वालियर लोहमंडी दिगंबर लाला गोकुलचंद जैन मदिंर में अयोजित सिद्धचक्र महामंडल विधान के आज चौथे दिन शुक्रवार को बाल ब्रह्मचारी अंशु भैया ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

ब्रह्मचारी अंशु भैया ने कहा कि जब हम अपने हदय को शांति से प्रसंन्न रखना ही अपने कर्म की दिशा मानेंगे, तब संतुष्टि का भाव अपने आप हमारे मन और बुद्धि को शांत और प्रसंन्न रखेगा। जीवनदाता प्रभू परमात्मा 24 घंटे हमें जीवन दे रहा है और कुछ मांग नही रहा है। यदि इसी सत्य को स्वीकार करके हम भी इस जिंदगी को कुछ शांतिमय बनाये। अपने विचारों में सरलता, प्रेम और शांति के पौधे लगाएं। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष पदमचंद जैन, महामंत्री देवेद्र जैन, दिलीप जैन, राहुल जैन, राजुल जैन, अलोक जैन, मनीष जैन, नवरंग अजिण अभिलाष जैन आदि मौजूद थे।

इंद्रो ने ध्यान लगाकर कलशों से भगवान जिनेंद्र का किया अभिषेक, हुई मंत्रो से शांतिधार

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि सिद्धचक्र महामंडल विधान के विधानचार्य बाल ब्रह्मचारी अंशु भैया ने मंत्र उच्चारण के साथ सौधर्म इंद्रा अशोक जैन सहित इंद्रो ने प्रभू का ध्यान लगाकर चारों कोणों पर खड़े होकर भगवान जिनेंद्र देव के ऊपर अभिषेक जयकारों के साथ किया। भगवान जिनेंद्र की शांति धारा करने का सौभाग्य नीलेश कुमार मनीष जैन एवं विशभर दयाल राहुल जैन परिवार ने की। अभिषेक के उपरांत भगवान की सगीतमय दीपो से महाआरती महिलाओ ने नृत्य करते हुए की।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। **E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478**